ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष- 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 347 पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
22 जून 2026 सोमवार

आज का मौसम
40.0 अधिकतम
22.4 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

उद्धव की शिवसेना को बर्बाद करने के लिए क्या एक संजय ही काफी था?

शिवसेना (यूबीटी) के छह लोकसभा सांसदों के एकनाथ शिंदे की शिवसेना के साथ जाने की खबर ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर उस सवाल को जिंदा कर दिया है कि आखिर उद्धव ठाकरे की राजनीति को इस मुकाम तक पहुंचाने में सबसे बड़ी भूमिका किसकी रही। इस प्रसंग में दो संजयों का जिक्र लाजिमी है - एक महाभारत के संजय और दूसरे महाराष्ट्र की राजनीति के संजय राउत।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

महाभारत का संजय धृतराष्ट्र की आंखें था। उसने कुरुक्षेत्र के युद्ध का आंखों देखा सत्य बिना किसी लाग-लपेट के सुनाया। दुर्भाग्य यह रहा कि पुत्रमोह में डूबे धृतराष्ट्र ने सत्य को अनदेखा किया और परिणाम कौरव साम्राज्य के सर्वनाश के रूप में सामने आया। इस सन्दर्भ में शायर शौक़ बहराइची का मशहूर शेर मौजूं है -

'बर्बाद गुलिस्तां करने को बस एक ही उल्लू काफ़ी था,
हर शाख़ पे उल्लू बैठा है, अंजाम-ए-गुलिस्ताँ क्या होगा।'

आशय यही है कि किसी भी बाग़ या व्यवस्था को उजाड़ने के लिए एक गलत सलाह या गलत दिशा देने वाला व्यक्ति ही पर्याप्त होता है। महाराष्ट्र की राजनीति में संजय राउत की भूमिका को लेकर लंबे समय से बहस होती रही है। आज जब शिवसेना (यूबीटी) लगातार सिकुड़ रही है तो यह बहस और प्रासंगिक हो जाती है।

इस पूरे घटनाक्रम की जड़ 2019 का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव है। भाजपा और शिवसेना ने चुनाव पूर्व गठबंधन के रूप में चुनाव लड़ा और स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया। भाजपा ने 145 सीटों पर चुनाव लड़कर 106 सीटें जीतीं, जबकि शिवसेना ने 124 सीटों पर चुनाव लड़ा और मात्र 56 सीटों पर विजय हासिल की। यानी सीटों की संख्या ही नहीं, बल्कि जीत का प्रतिशत भी भाजपा का कहीं बेहतर था। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य अक्सर चर्चा से गायब कर दिया जाता है। बालासाहेब ठाकरे ने भाजपा-शिवसेना गठबंधन के दौर में यह सिद्धांत स्वीकार किया था कि चुनाव के बाद जिस दल को अधिक सीटें मिलेंगी, मुख्यमंत्री उसी दल का होगा। इसी व्यवस्था के तहत 1995 में शिवसेना बड़ी पार्टी थी तो मनोहर जोशी मुख्यमंत्री बने। 2014 में भाजपा 122 सीटों के साथ बड़ी पार्टी बनी और 61 सीट के साथ शिवसेना आई तो बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री बने। ऐसे में 2019 में भी भाजपा का मुख्यमंत्री पद पर दावा राजनीतिक रूप से स्वाभाविक माना जा रहा था। लेकिन संजय राउत जैसे सलाहकारों ने ठाकरे परिवार को उलझा दिया।

राजनीतिक विश्लेषकों का एक बड़ा वर्ग मानता है कि इसी दौर में संजय राउत ने उद्धव ठाकरे को भाजपा से अलग रास्ता अपनाने के लिए सबसे अधिक प्रेरित किया। राजनीतिक हलकों में यह धारणा रही कि संजय राउत के शरद पवार से अत्यंत निकट संबंध थे, जबकि भाजपा नेतृत्व से उनके रिश्ते कभी सहज नहीं रहे। इसी के चलते शिवसेना ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस के साथ बेमेल विचारधारा वाली सरकार बनाई। यह वही कांग्रेस थी, जिसके साथ गठबंधन को लेकर बालासाहेब ठाकरे कहते थे कि कांग्रेस से हाथ मिलाने से बेहतर वह मार जाना पसंद करेंगे। इसके बाद घटनाक्रम बदलने लगे। एकनाथ शिंदे के साथ चालीस से अधिक शिवसेना एमएलए बीजेपी के पास चले गए और उद्धव की सरकार के साथ मूल शिवसेना भी उनसे छिटक गई। 2024 विधानसभा चुनाव में भी उद्धव ठाकरे की शिवसेना अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकी। अब छह सांसदों का भी पार्टी छोड़ना बताता है कि संकट केवल संगठन का नहीं, बल्कि नेतृत्व और राजनीतिक रणनीति का भी है। आज संजय राउत विरोधियों पर तीखे हमले करते हैं और पार्टी छोड़ने वालों पर अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। नैतिकता की दुहाई दे रहे हैं, लेकिन यदि पार्टी लगातार कमजोर हो रही है तो आत्ममंथन हर राजनीतिक दल की पहली आवश्यकता होती है। राजनीति में सलाहकार महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय नेता का ही होता है। यदि नेता अपने स्वाभाविक सहयोगियों से दूरी बनाकर सीमित सलाहकारों के प्रभाव में निर्णय लेने लगे तो उसके परिणाम दूरगामी होते हैं। यह प्रवृत्ति केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है। दिल्ली में भी राहुल गांधी की राजनीतिक यात्रा पर उनके सलाहकारों की भूमिका को लेकर समय-समय पर ऐसे ही प्रश्न उठते रहे हैं।

भारतीय राजनीति अब नए दौर में प्रवेश कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के क्रियान्वयन और भविष्य के परिसीमन के बाद राजनीतिक समीकरण और बदलेंगे। ऐसे समय में केवल विरोध के लिए विरोध की राजनीति से कुछ नहीं होगा। जनता अब स्थिरता, स्पष्ट नेतृत्व और परिणाम चाहती है। इस पूरे प्रसंग में यह सवाल बेहद अहम है कि क्या उद्धव की शिवसेना को बर्बाद करने के लिए एक संजय ही काफ़ी था?' इतिहास शायद इसका उत्तर 'हाँ' या 'नहीं' में नहीं देगा। लेकिन, वह यह अवश्य लिखेगा कि किसी भी नेता का उत्थान और पतन केवल विरोधियों से नहीं, बल्कि उसके सबसे भरोसेमंद सलाहकारों से भी तय होता है।'

न्यूज विंडो

आईएसआई का एजेंट छत्तीसगढ़ में पकड़ाया

जांजगीर चांपा। पंजाब के तरनतारन जिले के एक 23 वर्षीय युवक को छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले से गिरफ्तार किया गया है। उस पर पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के साथ संवेदनशील जानकारी साझा करने का आरोप है। आरोपी की पहचान सेवक सिंह के रूप में हुई है। वह पाकिस्तान समर्थित आईएसआई नेटवर्क से जुड़े लोगों के संपर्क में था। जांच के दौरान सीमा पार से हथियारों की आपूर्ति संबंधी चर्चाएं भी सामने आई हैं। सिंह को अकलतरा कस्बे में किराएदार सत्यापन अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। वह मिनीमाता चौक के पास एक किराए के मकान में रह रहा था। सत्यापन के दौरान वह संदिग्ध पाया गया। उसके खिलाफ अकलतरा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है।

कतर गैस संयंत्र में धमाका 54 घायल, 18 लापता

दोहा। कतर के प्राकृतिक गैस निर्यात टर्मिनल में भीषण विस्फोट हुआ। इस विस्फोट के बाद लगी आग में 54 लोग घायल हो गए और 18 लोग अभी भी लापता हैं। युद्ध के दौरान ईरानी हमले में इस गैस प्लांट को भारी नुकसान हुआ था। इस प्लांट को मरम्मत के बाद फिर से चालू करने की कोशिश की गई। इसी कोशिश में विस्फोट हुआ। यह विस्फोट रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र में हुआ, जो कतर के प्राकृतिक गैस उद्योग का प्रमुख केंद्र है। घटना से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में और अधिक अस्थिरता पैदा होने की आशंका जताई जा रही है, क्योंकि कतर दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस उत्पादकों में से एक है।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव 16 सीटों पर महायुती जीती

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव में महायुती गठबंधन ने 17 में से 16 सीटों पर जीत हासिल की है। इनमें से 6 सीटों पर पहले निर्विरोध निर्वाचन हो चुका है। वहीं, अन्य 11 सीटों पर मतदान हुआ और इनमें से 10 सीटों पर महायुती उम्मीदवार को जीत मिली। नासिक में बीजेपी के बागी नेता गोकुल गीते ने खेल खराब किया। उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की और शिंदे की शिवसेना के उम्मीदवार को हराया। विधान परिषद स्थानीय निकाय चुनाव के लिए मतदान 18 जून को संपन्न हुआ था। विधान परिषद के चुनाव में औसतन 99.02 प्रतिशत मतदान हुआ, इसमें नागपुर स्थानीय प्राधिकारी कोटे की उप चुनाव वाली एक सीट भी शामिल है।

आज का कार्टून

महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल... दो सांसदों ने खुलकर किया शिंदे गुट में शामिल होने का ऐलान

उद्धव सेना में बगावत के पीछे 20 साल पुराना मर्डर केस !

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र की सियासत में कई दिनों से चल रही फेरबदल की राजनीति के बीच उद्धव सेना के 6 बागी सांसदों में से दो ने आधिकारिक तौर पर एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना में शामिल होने का एलान कर दिया है। माना जा रहा है कि इसके बाद बाकी बचे 4 सांसद भी जल्द ही पाला बदल सकते हैं। जिन दो सांसदों ने शिंदे गुट में जाने का एलान किया है, उनके नाम धाराशिव (ओस्मानाबाद) के सांसद ओमराजे निंबालकर और हिंगोली के सांसद नागेश आष्टीकर है।

सूत्रों के अनुसार निंबालकर के इस फैसले की स्क्रिप्ट कुछ दिन पहले ही लिखी जा चुकी थी। उन्होंने संकेत दिया था कि वह अपने पिता पवनराजे निंबालकर के मर्डर केस का अदालती फैसला आने के बाद कोई कदम उठाएंगे। शनिवार को सेशंस कोर्ट ने इस मामले के सभी आरोपियों को बरी कर दिया, जिसके तुरंत बाद निंबालकर ने अपना रास्ता साफ कर लिया। दूसरी तरफ, हिंगोली के सांसद नागेश आष्टीकर ने तो बाकायदा फेसबुक लाइव पर आकर पाला बदलने का एलान किया। उद्धव ठाकरे बीजेपी पर उनकी पार्टी तोड़ने का आरोप लगाकर बागियों को गद्दार ठहरा रहे हैं और इसी बीच इस पूरी बगावत के केंद्र में सांसद ओमराजे निंबालकर के पिता और कांग्रेस नेता पवनराजे निंबालकर की 2006 में हुई हत्या का मामला आ गया है। 3 जून 2006 को पवनराजे निंबालकर और उनके ड्राइवर समद अब्दुल वाहिद काजी की पुणे से मुंबई जाते समय नवी मुंबई के कलंबोली में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी पवनराजे के चचेरे भाई और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री पदमसिंह पाटिल को बनाया गया था।

यह मामला पिछले दो दशकों से मराठवाड़ा और उस्मानाबाद की राजनीति पर हावी रहा है। दोनों परिवारों के बीच राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने के साथ-साथ सहकारिता क्षेत्र को लेकर भी कारोबारी दुश्मनी थी। सीबीआई जांच में यह भी सामने आया था कि कारगिल युद्ध के शहीदों के परिवारों के लिए जुटाए गए फंड में कथित धोखाधड़ी को अन्ना हजारे ने पवनराजे द्वारा दी गई जानकारियों के आधार पर ही उजागर किया था, जिससे पदमसिंह पाटिल नाराज थे।

हत्या के मामले में फैसला आते ही तेज हुआ घटनाक्रम

सांसदों के बाद विधायकों पर नजर

उद्धव सेना के लिए एक बार फिर चुनौती बढ़ती नजर आ रही है। लोकसभा सांसदों के शिंदे गुट की ओर जाने की खबरों के बाद अब चर्चा तेज हो गई है कि क्या उद्धव ठाकरे गुट के कुछ विधायक भी पाला बदल सकते हैं। शिंदे खेमे की ओर से लगातार दावा किया जा रहा है कि कई विधायक उनके संपर्क में हैं।

राउत का दावा - अदालती फैसले के लिए दिया जा रहा था प्रलोभन

अदालत के फैसले से ठीक पहले संजय राउत ने आरोप लगाया था कि उनकी पार्टी को तोड़ने के लिए सांसदों को कई तरह के प्रलोभन दिए जा रहे हैं। राउत ने दावा किया था कि ओमराजे निंबालकर को उनके पिता के मर्डर केस में अनुकूल फैसले का लालच देकर शिंदे गुट में शामिल होने के लिए उकसाया जा रहा था। उधर, ओमराजे निंबालकर ने स्पष्ट किया कि यदि वे उद्धव गुट छोड़ रहे हैं तो यह किसी पैसे के लालच में नहीं बल्कि अपने पिता के हत्यारों के खिलाफ कानूनी और राजनीतिक लड़ाई जारी रखने के लिए है। कोर्ट के फैसले पर हैरानी जताते हुए ओमराजे ने कहा कि यह फैसला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा अगर सभी आरोपी बरी हो गए तो मेरे पिता को किसने मारा? हम इस फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे और न्याय की लड़ाई जारी रखेंगे।

राम मंदिर चोरी मामला

आज योगी को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट तैयार कर ली है। जिसे वह आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपेगी। उच्च स्तरीय सूत्रों के अनुसार अभी तक की जांच में ट्रस्ट महासचिव चंपतराय, सदस्य डॉ. अनिल मिश्र, व्यवस्थापक गोपाल राव, व्यवस्था से जुड़े रामशंकर यादव टिन्नू सहित कुल 14 लोगों पर आंच आ सकती है।

अभिनेता पंकज के भाई पर हमला

गोपालगंज। बेलसंड गांव में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के भाई बिजेंद्र नाथ तिवारी पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। बिजेंद्र नाथ को परिजनों ने तत्काल गोपालगंज सदर अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद पीएमसीएच रेफर कर दिया गया है।

ट्रंप की धमकियों और ईरानी वॉकआउट के बीच शांति समझौता

होर्मुज में टकराव टालने के लिए 'संचार लाइन' पर बनी सहमति

बर्न, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की धमकियों और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के कुछ समय के वॉकआउट से पैदा हुए भारी तनाव के बावजूद स्विट्जरलैंड में हुई पहली उच्च स्तरीय अमेरिका-ईरान वार्ता में कई महत्वपूर्ण समझौते हो गए हैं। कतर और पाकिस्तान द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में 'लेक ल्यूसर्न शिखर सम्मेलन' के समापन की घोषणा की गई है।

अमेरिका और ईरान अंतिम समझौते के लिए 60 दिनों की समय सीमा तय करने, इसकी निगरानी के लिए एक उच्च स्तरीय समिति बनाने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में टकराव टालने के लिए 'संचार लाइन' स्थापित करने पर सहमत हुए हैं। ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने इस वार्ता को सकारात्मक बताते हुए कहा कि इस वार्ता से लेबनान युद्ध को समाप्त करने और ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की दिशा में उत्साहजनक प्रगति हुई है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की धमकियों के विरोध में ईरानी नेगोशिएटिंग टीम के बर्गनस्टॉक में आमने-सामने की वार्ता से बाहर चले जाने के बाद और अधिक तनावपूर्ण माहौल हो गया। इस दौरान ट्रंप ने ईरान पर बमबारी की चेतावनी दी और यहां तक कहा कि होर्मुज को दोबारा न खोले जाने पर ईरानी नेगोशिएटिंग टीम को अगवा कर लेंगे।

ट्रक-पिकअप की भिड़ंत, 5 की मौत

छिंदवाड़ा, एजेंसी

छिंदवाड़ा -बैतूल राष्ट्रीय राजमार्ग पर टेमनी खुर्द के समीप आज दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मजदूरों से भरी एक पिकअप वाहन की ट्रक से आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वाहन के परखच्चे उड़ गए। वाहन में बड़ी संख्या में मजदूर सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटनास्थल पर करीब 5 लोगों की मौत होने की आशंका जताई जा रही है, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस एवं प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच गया है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

कैबिनेट विस्तार में पांच नए विधायक बन सकते हैं मंत्री, रीति या मालिनी को मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की मोहन यादव सरकार पहले बड़े मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की तैयारी में है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संकेत दिए कि विधानसभा के मानसून सत्र के बाद बदलाव संभव है। नए मंत्रिमंडल में युवाओं को प्राथमिकता मिल सकती है, जबकि अनुभवी नेताओं को भी महत्व दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार 5-6 मंत्रियों को हटाकर 7-8 नए चेहरों को शामिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मंत्रिमंडल फेरबदल का मुख्य आधार मंत्रियों का कामकाज रहेगा। अंतिम निर्णय पार्टी संगठन और केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा के बाद लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मंत्रियों व विधायकों के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा होती है, जिसमें शीर्ष नेतृत्व के सुझाव भी शामिल रहते हैं।

रीति पाठक | मालिनी गौड़

इन मंत्रियों पर हटने का खतरा : संभावित कैबिनेट विस्तार में मंत्री पद जाने का सबसे अधिक खतरा विजय शाह, दिलीप अहिरवार, प्रतिमा बागरी, राधा सिंह और एदल सिंह कंषाना को है।

मेट्रो एंकर | हरियाणा के रोहतक का मामला, तीन साल तक चला सेवा में कमी का केस

कैरी बैग के लिए थे 10 रुपए, जूता कंपनी को लगी 8 हजार की चपत

चंडीगढ़, एजेंसी

हरियाणा के रोहतक में एक कस्टमर से कैरी बैग के10 रुपये लेना एक कंपनी को भारी पड़ गया। तीन साल तक लंबी लड़ाई के बाद उपभोक्ता फोरम ने ग्राहक के पक्ष में फैसला सुनाया है। जिला उपभोक्ता विवाद आयोग ने फुटवियर कंपनी रेड टेप को ग्राहक से वसूले गए 10 रुपये वापस करने के साथ-साथ 8 हजार रुपये मुआवजा और मुकदमे का खर्च देने का आदेश दिया है। आयोग ने कैरी बैग के लिए अलग से शुल्क वसूलने को सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार करार दिया है।

मामला साल 2023 का है। रोहतक के एक 27 वर्षीय ग्राहक ने रेड टेप के आउटलेट से 2,069.70 रुपये के जूते खरीदे थे। खरीदारी के दौरान कंपनी ने उनसे कैरी बैग के लिए अतिरिक्त 10 रुपये वसूले। ग्राहक ने स्टाफ से मुफ्त कैरी बैग देने की मांग की, लेकिन उसे यह कहते हुए मना कर दिया गया कि कंपनी की नीति के अनुसार बैग के लिए अलग से भुगतान करना होगा। इसके बाद ग्राहक ने उपभोक्ता आयोग का दरवाजा खटखटाया और कंपनी पर गैरकानूनी तरीके से शुल्क वसूलने का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया कि इस वजह से उसे मानसिक परेशानी और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। कंज्यूमर कमीशन के अध्यक्ष नागेंद्र सिंह कादियान और सदस्य तृप्ति पन्नू और डॉ. विजेंद्र सिंह की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए पाया कि कंपनी का रवैया उपभोक्ता हितों के खिलाफ था। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि कैरी बैग के लिए अलग से 10 रुपये वसूलना सेवा में कमी और अनुचित व्यापारिक व्यवहार की श्रेणी में आता है।

सुनवाई के दौरान रेड टेप की ओर से यह तर्क दिया गया कि कैरी बैग के लिए शुल्क लेने का उद्देश्य ग्राहकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था और उन्हें अपने बैग साथ लाने के लिए प्रेरित करना था। कंपनी ने यह भी कहा कि कैरी बैग खरीदना ग्राहकों के लिए अनिवार्य नहीं था और उन्हें अपने बैग लाने से कभी नहीं रोका गया। आयोग ने माना कि सामान बेचने वाले प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी है कि वे खरीदे गए उत्पाद को ग्राहक को उचित स्थिति में उपलब्ध कराएं। इसलिए कैरी बैग के लिए अलग से शुल्क लेना उचित नहीं माना जा सकता। आयोग ने रेड टेप को ग्राहक के 10 रुपये लौटाने के साथ सेवा में कमी के लिए 4 हजार रुपये मुआवजा और 4 हजार रुपये मुकदमे के खर्च के रूप में 30 दिनों के भीतर भुगतान करने के निर्देश दिए।

मौजूद है उपभोक्ता हेल्पलाइन

उपभोक्ताओं को जानकारी होनी चाहिए कि अगर दुकानदार ने अपनी दुकान में बोर्ड या कोई नोटिस लगाया हो तब वह आपसे पैसे ले सकता है, लेकिन बिना किसी सूचना और नोटिस के पैसे बिल में एड करना बिल्कुल गलत है। अगर आप किसी बड़े ब्रांड से सामान ले रहे हैं तो इसके लिए नियम अलग हैं। कैरी बैग पर अगर कंपनी का नाम या फिर लोगो या किसी भी तरह की एडवरटाइजिंग है, तो ऐसे बैग के लिए कंपनी ग्राहक से पैसे नहीं ले सकती है क्योंकि कंपनी अपने ब्रांड का प्रचार कर रही है। अगर कोई दुकानदार आपके जबरन कैरी बैग के पैसे मांगता है तो आप इसका विरोध कर सकते हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के साथ ही जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग में भी शिकायत कि जा सकती है।

रास्ते में आई नई मुसीबत, 1959 के राजस्व रिकॉर्ड में नया खुलासा

भोपाल मेट्रो एलाइन्मेंट की जद में 32 आरा मशीनें मुआवजे और जमीन रिकॉर्ड को लेकर बढ़ा विवाद

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण के लिए प्रस्तावित आरा मशीनों की शिफ्टिंग अब जमीन के स्वामित्व विवाद में उलझ गई है। जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि जिन जमीनों पर वर्षों से आरा मशीनें संचालित हो रही हैं, वे राजस्व रिकॉर्ड में वर्ष 1959 से म्युनिसिपल बोर्ड के नाम दर्ज हैं। प्रशासन का कहना है कि सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज भूमि के लिए मुआवजा नहीं दिया जा सकता। वहीं टिंबर कारोबारियों का दावा है कि उनके पास जमीन के मालिकाना हक से जुड़े वैध दस्तावेज मौजूद हैं।

भोपाल मेट्रो के दूसरे चरण के निर्माण के दौरान 32 आरा मशीनें एलाइन्मेंट की सीमा में आ रही हैं। इन इकाइयों को छोटा रातीबड़ स्थित नए टिंबर क्लस्टर में स्थानांतरित किया जाना प्रस्तावित है। इसके लिए मेट्रो रेल कंपनी की ओर से छह करोड़ रुपए जमा कराए जा चुके हैं। उद्योग विभाग द्वारा विकसित किए जा रहे इस क्लस्टर में आरा

मशीन संचालकों को नए प्लाट आवंटित किए जाएंगे। शिफ्टिंग प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही जमीन के स्वामित्व को लेकर विवाद सामने आ गया है। भू-अर्जन जांच के दौरान प्रशासन को रिकॉर्ड में जमीन म्युनिसिपल बोर्ड के नाम दर्ज होने की जानकारी मिली।

प्रशासन और कारोबारियों के दावों में अंतर: राजस्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार यह भूमि सरकारी संपत्ति है, इसलिए इसके लिए मुआवजा देना संभव नहीं है। दूसरी ओर टिंबर मार्केट एसोसिएशन ने प्रशासन के इस दावे को चुनौती दी है। कारोबारियों का कहना है कि उनके पास जमीन से जुड़े वैध दस्तावेज हैं और यदि सरकार अपने निर्णय पर कायम रहती है तो वे इस मामले को सिविल कोर्ट में ले जाएंगे। इससे शिफ्टिंग प्रक्रिया और जटिल हो सकती है।

140 आरा मशीनों का होना है विस्थापन: पूरे जिले में करीब 140 आरा मशीनों के विस्थापन की योजना प्रस्तावित है। हालांकि फिलहाल मेट्रो एलाइन्मेंट में केवल 32 इकाइयां ही प्रभावित हो रही हैं। इस पूरे मामले में दो अलग-अलग मुद्दे सामने हैं। पहला मुद्दा आरा मशीन संचालकों के पुनर्वास का है, जिसके लिए छोटा रातीबड़ में टिंबर क्लस्टर विकसित किया जा रहा है। दूसरा और बड़ा मुद्दा उस जमीन का स्वामित्व है, जिस पर वर्तमान में ये इकाइयां संचालित हो रही हैं।

आरा मशीन संचालकों ने भी मेट्रो कार्य में बाधा न आए, इसके लिए निर्माण क्षेत्र से पीछे हटना शुरू कर दिया है। अब विवाद का मुख्य केंद्र मेट्रो निर्माण नहीं, बल्कि जमीन का मालिकाना हक और मुआवजे का मुद्दा बन गया है। मेट्रो परियोजना से प्रभावित 32 आरा मशीनों के विस्थापन और भूमि स्वामित्व का मामला अलग-अलग है। प्रभावित इकाइयों को उद्योग विभाग द्वारा छोटा रातीबड़ स्थित टिंबर क्लस्टर में प्लाट आवंटित किए जाएंगे।राजस्व रिकार्ड में संबंधित भूमि शासकीय दर्ज पाई गई है, इसलिए भू-अर्जन के तहत जमीन का मुआवजा नहीं दिया जा सकता है।

-दीपक पांडे, एसडीएम, शहर वृत्त

कारोबारियों के पास जमीन के स्वामित्व संबंधी दस्तावेज हैं। यदि मुआवजा रोका गया तो अदालत का दरवाजा खटखटाया जाएगा। विवादित भूमि के एवज में करीब 30 करोड़ रुपये के मुआवजे का मामला जुड़ा हुआ है।

बदर-ए-आलम, अध्यक्ष, टिंबर मार्केट एसोसिएशन

अभा साहित्य परिषद की गोष्ठी आयोजित

पर्यावरण की चिंता, साहित्यकारों ने विकास मॉडल पर किए सवाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर बढ़ती चुनौतियों के बीच साहित्यकारों ने कविता और विचारों के माध्यम से प्रकृति के पक्ष में आवाज बुलंद की। अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, भोपाल इकाई द्वारा आयोजित पर्यावरण विषयक साहित्यिक गोष्ठी में साहित्यकारों ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी की निदेशक एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद्, भोपाल इकाई की अध्यक्ष डॉ. नुसरत मेहदी ने की।

गोष्ठी में रचनाकारों ने अपनी कविताओं और गीतों के माध्यम से जंगलों की कटाई, नदियों के प्रदूषण, गांवों के बदलते स्वरूप और पर्यावरणीय संकट को प्रमुखता से उठाया। कई रचनाओं में विकास की अंधी दौड़ के कारण प्रकृति पर पड़ रहे दुष्प्रभावों को रेखांकित किया गया।मुख्य अतिथि कुसुम डूंगरवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति को पूजनीय माना गया है और आधुनिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को समान महत्व देना समय की जरूरत है। वहीं वरिष्ठ गीतकार ममता बाजपेयी ने लोगों से पौधरोपण, छतों पर बागवानी और जैविक खाद बनाने जैसे उपाय अपनाने का आह्वान किया।

साहित्यकारों एवं शोधार्थियों ने किया, दुष्यंत कुमार संग्रहालय का भ्रमण

भोपाल। दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय देखकर अपने पूर्वज साहित्यकारों का स्मरण हो आया। अपने अग्रज नींव के पत्थर साहित्यकारों की स्मृतियों को सहेजना सचमुच एक महत्वपूर्ण और स्तुत्य कार्य है। यह उद्गार थे पटना से आईं डॉ.अनीता राकेश वरिष्ठ के। वे संग्रहालय को देखने के बाद अपनी भावनाएं व्यक्त कर रही थीं। उनके साथ इस अवसर पर दो शोधार्थी प्रिंस कुमार एवं विजय कुमार भी थे जो उनके निर्देशन में क्रमशः लघुकथा एवं ग़ज़ल विधाओं को केंद्र में रखकर अपना शोध कार्य पूर्ण कर रहे हैं। अतिथियों का संग्रहालय की निदेशक करुणा राजुरकर ,अध्यक्ष रामराव वामनकर, उपाध्यक्ष घनश्याम मैथिल अमृत ने स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर गजलकार महेश अग्रवाल, डॉ.किशन तिवारी , गीतकार ऋषि श्रृंगारी व बिहारीलाल सोनी अनुज आदि उपस्थित थे।

ननि की शहर में 30 नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना

50 इलेक्ट्रिक वाहन खरीदेगा नगर निगम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में भोपाल नगर निगम बड़ा कदम उठाने जा रहा है। निगम ने अपने अधिकारियों के लिए 50 इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके साथ ही शहरभर में 30 नए चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने की योजना भी बनाई गई है, ताकि इलेक्ट्रिक वाहनों के संचालन के लिए जरूरी आधारभूत ढांचा विकसित किया जा सके।

वर्तमान में भोपाल में करीब 18 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन हैं, लेकिन इनमें से केवल 12 ही नियमित रूप से संचालित हो रहे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती संख्या के मुकाबले यह व्यवस्था काफी सीमित मानी जा रही है। ऐसे में नगर निगम का फोकस सिर्फ वाहन खरीदने पर नहीं, बल्कि चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार पर भी है। निगम ने ई-वाहनों की आपूर्ति के लिए टेंडर जारी कर दिया है और चयनित एजेंसी के साथ तीन वर्ष का अनुबंध किया जाएगा। पहले चरण में अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्त और सहायक आयुक्त स्तर के अधिकारियों को इलेक्ट्रिक वाहन उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके बाद अन्य विभागों में भी इस मॉडल का विस्तार किया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की सफलता केवल खरीद पर नहीं, बल्कि चार्जिंग सुविधाओं की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यही कारण है कि नगर निगम वाहन बेड़े के साथ-साथ चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने पर भी जोर दे रहा है।यदि यह योजना सफल होती है तो भोपाल प्रदेश का पहला ऐसा नगर निगम बन सकता है, जहां प्रशासनिक बेड़े को इलेक्ट्रिक बनाने के साथ चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार पर भी समान रूप से निवेश किया जा रहा हो। इससे ईंधन खर्च में कमी, प्रदूषण नियंत्रण और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

आचार्य संघ ने की नंदीश्वर जिनालय की वंदना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आचार्य विराग सागर महाराज के शिष्य आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के आज्ञानुवृति आचार्य विभव सागर महाराज ससंघ राजधानी के नंदीश्वर जिनालय पहुंचे। यहां पाद प्रक्षालन कर अगवानी की गई।

प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया कि आचार्य संघ में छह मुनिराज और तीन आर्यिका माता है। आचार्य संघ ने नंदीश्वर जिनालय की वंदना की और साथ ही परिसर में श्रावक संस्कार साहित्य केंद्र शास्त्र भंडार का अवलोकन किया। अध्यक्ष प्रमोद चौधरी ने जिनालय का इतिहास बताया। आचार्यश्री ने कहा ये विशाल नंदीश्वर जिनालय शहर ही नहीं देश विदेश के श्रद्धालुओं के लिए श्रद्धा भक्ति और आस्था का केंद्र है। जिनालय में विराजमान प्रतिमाओ के दर्शन मात्र से लाभ मिलता है। इस अवसर पर प्रमोद चौधरी एडवोकेट, डॉ सर्वज्ञ जैन , विवेक जैन, शैलेश जैन मुन्ना, कवि मधुर जैन, पदम जैन, अशोक जैन, योगाचार्य शीलचंद, लचक्या जीतू सिलवानी, प्रभात बरेला, नितिन जैन, सहित अनेक लोग मौजूद थे।

सेवा सदन-भोपाल उत्सव मेला समिति का निःशुल्क नेत्र शिविर

280 रोगियों का नेत्र परीक्षण, 60 मोतियाबिंद रोगी मिले, ऑपरेशन होंगे

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र अस्पताल ने निःशुल्क नेत्र रोग निदान एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया, जिसमें 280 नेत्र रोगियों की आंखों की जांच की गई। इनमें से 60 रोगियों में मोतियाबिंद की शिकायत पाई गई, जिन्हें एम्बुलेंस से सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर लाकर भर्ती किया गया। सोमवार को इन रोगियों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए जाएंगे। शिविर भोपाल उत्सव मेला समिति के सहयोग से अटलराम सिंधी धर्मशाला में किया गया।

निःशुल्क नेत्र शिविर की श्रृंखला में यह पहला शिविर था। आगामी दो माह में शहर के विभिन्न स्थानों पर अन्य नौ शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिन रोगियों में मोतियाबिंद की शिकायत नहीं पाई गई, उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी गईं। उनके ब्लड प्रेशर व शुगर के स्तर की जांच भी की गई। अगला शिविर दिनांक 28 जून 2026, रविवार को पंजाबी बाग गुरुद्वारा, अशोक गार्डन, भोपाल में आयोजित किया जाएगा।

पहले शिविर के शुभारंभ मौके पर विधायक आतिफ अकील, भोपाल उत्सव मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, जनप्रतिनिधि गोविंद गोयल, भोपाल उत्सव मेला समिति के पदाधिकारी और सेवा सदन के ट्रस्टी सुरेश आवतरामाणी मौजूद थे। अकील कहा कि निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद लोगों को गुणवत्तापूर्ण नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं सहजता से उपलब्ध कराई जा रही हैं। गोविंद गोयल ने कहा कि पिछले कई वर्षों से नियमित रूप से आयोजित हो रहे इन शिविरों के माध्यम से अब तक लाखों लोगों को नेत्र जांच, परामर्श एवं उपचार जैसी महत्वपूर्ण सुविधाओं का लाभ प्राप्त हुआ है।

इस अवसर पर मेला समिति के अध्यक्ष मनमोहन अग्रवाल, चंद्रशेखर सोनी, सुनील जैनाविन, प्रदीप अग्रवाल, कमल जैन श्वेता, नारायण सिंह कुशवाह, परमजीत सिंह बेदी, योगेन्द्र मुखरैया, वीरेंद्र जैन श्रीजी, अजय सोगानी, अनूप अग्रवाल, सुमित गर्ग, अशोक गुप्ता तथा अटलराम सिंधी धर्मशाला ट्रस्ट के श्री गुरुदास, रमेश नाथानी, दीपक राजानी, रामचंद्र रामदेव, हरीश ज्ञानचंदानी, जयप्रकाश जसवानी सहित सेवा सदन की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

छात्र-छात्राओं और समाजसेवियों ने किया योग

सामूहिक योग, दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संकल्प

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योगाभ्यास किया गया। हजारों छात्र छात्राओं ने संतनगर में योग किया और पीएम नरेन्द्र मोदी को सुना। योग को दिनचर्या बनाने का संकल्प भी दोहराया।

'संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज' में सामूहिक योगाभ्यास आयोजित किया गया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने छात्र-छात्राओं ने विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रतिभागियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन सुना। इस अवसर पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि योग जीवन को संतुलित, सकारात्मक और नई ऊर्जा देने वाला मार्ग है, जिसे सभी को अपनी दिनचर्या का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने जोड़ दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से भारत की इस प्राचीन आरोग्य परंपरा को आज वैश्विक पहचान और सम्मान मिला है।

दिव्यांग बच्चों ने योग किया: सिंधु भवन ट्रस्ट ने नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड और दिग्दर्शिका इंस्टीट्यूट के साथ मूक-बधिर व दिव्यांग बच्चों के लिए योग सत्र का किया। कार्यक्रम की शुरुआत बच्चों के योग गीत से हुई। विशेष अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी ने बच्चों के साथ योग किया। उन्होंने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी ने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उन्हें असीम शक्तियों का धनी बताया। योग गुरु रेनू सबरवाल ने बच्चों को योग कराया।

निरंकारियों ने किया योग: संत निरंकारी मिशन के भोपाल जोन की सभी ब्रांचों में योगाभ्यास किया गया। 'स्वस्थ आयु के लिए योग' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं, सेवादल स्वयंसेवकों और नागरिकों ने अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में योग कर स्वस्थ जीवनशैली का संकल्प लिया। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सचिव जोगिन्दर सुखीजा के अनुसार, स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक चेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मिशन द्वारा देशभर के 1500 से अधिक केंद्रों पर यह जनकल्याणकारी सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मेट्रो एंकर

प्रदक्षिणा भट्ट की सुरमयी प्रस्तुति ने बांधा समां

कला-साधना से सराबोर रही संगीत दिवस की सांझ

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

विश्व योग एवं संगीत दिवस पर संस्कृति विभाग ने प्रदेश के 14 स्थानों पर संगीत, नृत्य, चित्रकला और शिल्पकला से जुड़े विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। शासकीय संगीत एवं ललित कला महाविद्यालयों तथा विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों में हुए इन आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, कला और परंपराओं से जोड़ना तथा उनमें सांस्कृतिक चेतना का विस्तार करना रहा। राजधानी भोपाल के मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में आयोजित संगीत संध्या ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से कला-प्रेमियों को भारतीय शास्त्रीय परंपराओं का अनूठा अनुभव कराया।

संस्कृति विभाग के संचालक एन.पी. नामदेव एवं उप संचालक डॉ. पूजा शुक्ला ने कलाकारों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

बड़ी संख्या में उपस्थित दर्शकों ने पूरी तन्मयता से प्रस्तुतियों का आनंद लिया। भरतनाट्यम के बाद शास्त्रीय गायिका प्रदक्षिणा भट्ट ने अपनी मधुर गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने राग यमन कल्याण में एकताल का बड़ा ख्याल 'मेरा मन बांध लीनो रे' और तीनताल का छोटा ख्याल 'रंग दे रंग रेजवा' प्रस्तुत किया। इसके बाद ग्वालियर घराने की परंपरा के अनुरूप तराना और तिरबट की प्रस्तुति दी, जिसमें तबले और पखावज के बोलों का सुंदर समन्वय देखने को मिला। उन्होंने हमीर, केदार, बहार, दरबारी, अड़ाना और भोपाली जैसे रागों की मनोहारी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन अपने गुरु एवं दादा पंडित सज्जनलाल ब्रह्मभट्ट द्वारा रचित भजन 'मोहन की राधा' से किया। हारमोनियम पर चैतन्य भट्ट और तबले पर रतलाम के युवा कलाकार तल्लीन त्रिवेदी ने प्रभावी संगत दी। संगीत, नृत्य और भारतीय सांस्कृतिक विरासत से सजी यह संध्या कला-साधना, आध्यात्मिकता और भारतीय शास्त्रीय परंपराओं का जीवंत उत्सव बन गई। कार्यक्रम भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक सार्थक पहल साबित हुआ। संगीत संध्या की शुरुआत पुणे की भरतनाट्यम नृत्यांगना स्मिता महाजन और उनकी शिष्याओं हार्दिका फड़के, सिद्धि पाटिल तथा सिद्धि तार्डे की प्रभावशाली प्रस्तुति से हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ 'विनायका स्तुति' से हुआ, जिसमें भगवान गणेश की वंदना प्रस्तुत की गई। इसके बाद 'मल्लारी' की प्रस्तुति में मंदिरों की देवयात्रा की पारंपरिक शैली को भरतनाट्यम के माध्यम से जीवंत किया गया। चार अलग-अलग गतियों में प्रस्तुत इस रचना ने दर्शकों को लय और ताल की अद्भुत अनुभूति कराई। इसके बाद 'देवी कौतुकम' में देवी सरस्वती, लक्ष्मी और मां अम्बा की स्तुतियां तीन अलग-अलग रागों और तालों में प्रस्तुत की गईं। हिंदी पदम में एक युवती की भावनाओं और वासकसज्जिता नायिका के मनोभावों का सजीव चित्रण दर्शकों को भावविभोर कर गया।

सड़क दुर्घटना में घायल हवलदार की मौत

भोपाल। बीते चौबीस घंटों के दौरान रातीबड़ इलाके में हुई दुर्घटनाओं में हवलदार समेत दो व्यक्तियों की मौत हो गई। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम किया है। इधर, रातीबड़ में ही कार ने सवारी ऑटो को टक्कर मार दिया है। जिसमें तीन लोग बुरी तरह से जख्मी है। पुलिस के अनुसार 56 वर्षीय श्यामल कुमार दास की रविवार को मौत हो गई। वे 5 जून को भदभदा पुलिया के नजदीक वाहन दुर्घटना में जख्मी थे। वे बरखेड़ी कला रातीबड़ थाना क्षेत्र में रहते थे।

ज्ञान, गौरव और उपलब्धि का ऐतिहासिक क्षण

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उपस्थिति में आयोजित रानी दुर्गावती विवि के 36वें दीक्षांत समारोह ने शिक्षा, उत्कृष्टता और युवा प्रतिभाओं के सम्मान का प्रेरणादायी संदेश दिया गया। इस अवसर पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा विवि के स्नातक एवं उपाधि धारक विद्यार्थियों ने सहभागिता कर इस ऐतिहासिक पल को यादगार बनाया। समूह चित्र केवल एक तस्वीर नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत, समर्पण, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह क्षण राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका और शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति को भी रेखांकित करता है।

48 लाख लोगों की मुफ्त रजिस्ट्री कराने के लिए अध्यादेश लाई सरकार

कपास पर मंडी शुल्क कम करने और सामान्य कर बढ़ाने का भी आदेश जारी... सरकार पर बढ़ेगा बोझ

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वामित्व योजना में 48 लाख से अधिक लोगों को मुफ्त में रजिस्ट्री कराने राज्य सरकार ने पंचायत उपकर और पंजीयन शुल्क माफ करने का अध्यादेश जारी कर दिया है। इसके लिए विधानसभा में दोनों ही विभागों से संबंधित मामलों में विधेयक भी सरकार मानसून सत्र के दौरान ला सकती है। इसके साथ ही 9 जून को कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसले के आधार पर कपास पर मंडी शुल्क 1 प्रतिशत से घटाकर 0.50 प्रतिशत करने और मंडी में लगने वाले सामान्य शुल्क को एक से 1.50 प्रतिशत करने का नोटिफिकेशन भी सरकार ने जारी कर दिया है। मोहन यादव सरकार ने 2 जून को हुई कैबिनेट बैठक में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026% के अंतर्गत स्टॉम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क को पूरी तरह माफ करने का फैसला किया था। इससे सरकार पर 3800 करोड़ रुपये का वित्तीय भार आने वाला है।

इस निर्णय पर अमल के लिए राज्य सरकार के पंजीयन और पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग ने अलग-अलग अध्यादेश के नोटिफिकशन जारी कर दिए हैं। पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत उपकर के रूप में ली जाने वाली राशि ऐसे मामलों में माफ किए जाने और पंजीयन विभाग ने पंजीयन व मुद्रांक शुल्क माफ किए जाने का नोटिफिकेशन किया है। नौ जून को हुई कैबिनेट में तय किया गया है कि प्रदेश में स्वामित्व योजना में जिन भू-खण्डधारियों के अधिकार अभिलेख निर्मित किए गए हैं उन्हें आसानी से ऋण उपलब्ध कराने के लिए इन अधिकार अभिलेखों का पंजीयन कराया जाए। इसके लिए डीड ऑफ कन्वेयेंस की कमी पूरी करने एवं पंजीयन की कार्यवाही होगी।

कपास पर ली जाने वाली मंडी फीस कम करने के आदेश

9 जून को मोहन कैबिनेट ने कपास पर ली जाने मंडी फीस को 1 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था। इसके बाद किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग ने इसका नोटिफिकेशन कर दिया है। इसमें कहा गया है कि कपास की कीमत के हर 100 रुपए पर मंडी फीस 0.50 रुपए यानी 50 पैसे होगी। सरकार का दावा है कि इससे स्थानीय जिनिंग मिलों को मजबूती मिलेगी और रोजगार बढ़ेगा। प्रदेश में लगभग 158 कपास जिनिंग मिलें है, जिनकी प्रोसेसिंग कैपिसिटी लगभग 13 लाख मीट्रिक टन है।

उपज के हर 100 रुपए पर डेढ़ रुपए लगेगा मंडी शुल्क

इसके साथ ही कृषि उपज मंडियों में लगने वाले सामान्य मंडी शुल्क को एक रुपए से बढ़ाकर एक रुपए 50 पैसे किया गया है। इससे 500 करोड़ रुपये की आय होगी। 9 जून को हुए कैबिनेट के फैसले के बाद किसान कल्याण और कृषि विकास विभाग ने इसका नोटिफिकेशन कर दिया है। इसमें कहा गया है कि अधिसूचित कृषि उपज की कीमत के हर 100 रुपए पर मंडी टैक्स 1 रुपए के स्थान पर 1.50 रुपए वसूला जाएगा। इस राशि से जिलों में कोल्डस्टोरेज, वेयरहाउस प्रोसेस्ड यूनिट्स एवं लॉजिस्टिक सुविधाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। इस शुल्क राशि में से 50 पैसे व्यापार विकास निधि के अंश के रूप में किसानों के कल्याण में उपयोग किया जायेगा। इसमें निराश्रित शुल्क को यथावत् 20 पैसे रखा जाएगा। बाकी आय का उपयोग किसान सड़क निधि एवं कृषि अनुसंधान तथा अधोसंरचना विकास में किया जाएगा।

आयुक्त भू संसाधन की कमेटी पूरी कराएगी प्रोसेस

योजना के क्रियान्वयन के लिए दिशा-निर्देश जारी करने, प्रक्रिया निर्धारण, समय-समय पर समीक्षा के लिए आयुक्त भू-संसाधन प्रबंधन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति में महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, आयुक्त कोष एवं लेखा, आयुक्त, संचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा प्रबंध संचालक एमपीएसईडीसी, सदस्य होंगे एवं आवश्यकतानुसार विषय विशेषज्ञों को संयोजित किया जा सकेगा। योजना के प्रचार-प्रसार, मुद्रण व्यय एवं जन-जागरुकता गतिविधियों के संचालन के लिए राज्य स्तर पर 10 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए है। योजना का परिपत्र एवं समय-समय पर आवश्यकतानुसार स्पष्टीकरण जारी करने के लिए राजस्व विभाग को अधिकृत किया गया है।

महाराष्ट्र और अन्य पड़ोसी राज्यों में रुकेगा पलायन

प्रदेश में कपास पर मंडी फीस की दर में कमी किए जाने से जिनिंग मिलों का महाराष्ट्र और अन्य पड़ोसी राज्यों में पलायन रुकेगा। इन्हें प्रदेश में ही व्यवसाय करने को प्राथमिकता दी जाएगी जिससे रोजगार में तथा जीएसटी संग्रहण में वृद्धि होगी। जिनिंग मिलों की इनपुट लागत में कमी आएगी और उनकी आर्थिक व्यवहारिता में वृद्धि होगी। महाराष्ट्र सरकार पहले ही 0.5 प्रतिशत फीस ले रही है जिसके चलते एमपी का जिनिंग मिल कारोबार प्रभावित हो रहा था।

एमएसएमई विभाग में तबादला-प्रभार आदेशों पर विवाद

जूनियर लिखेंगे सीनियर अफसरों की सीआर, प्रभारी प्रबंधकों को बना दिया महाप्रबंधक, विरोध हुआ शुरू

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वाणिज्यिक कर विभाग के बाद अब एमएसएमई विभाग में तबादले में मनमानी का खुलासा हुआ है। एमएसएमई विभाग में सहायक प्रबंधक और प्रबंधक पद पर काम करने वाले सीनियर अफसरों को दरकिनार करते हुए प्रभारी प्रबंधकों को जिलों में महाप्रबंधक बना दिया गया है। इसका विभाग में जमकर विरोध हो रहा है। इसकी वजह यह भी है कि इस व्यवस्था को लागू करने के बाद जूनियर अफसर सीनियर अफसरों की सीआर लिखेंगे।

प्रदेश के एमएसएमई विभाग में 15 और 16 जून को जारी प्रभार आदेशों को लेकर विवाद की स्थिति बन गई है। विभाग में इसे चार्ज के ऊपर चार्ज÷ की व्यवस्था बताते हुए अधिकारी सवाल उठा रहे हैं। सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि जिन अधिकारियों का मूल पद सहायक प्रबंधक (तृतीय श्रेणी कार्यपालिक) है और जो वर्तमान में प्रभारी प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं, उन्हें महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र का प्रभार सौंपा गया है।

इन अफसरों को जूनियर होने के बाद मिला सीनियर अफसर का चार्ज- विभाग द्वारा जारी तबादला और प्रभार आदेशों में सुबोध कुमार श्रीवास्तव को मंडीदीप, जेपी तिवारी को रीवा, शिवशंकर सिंह को निवाड़ी, सुरेश कुमार गोस्वामी को भिण्ड, राममूर्ति खरे को अनूपपुर, अजय तिवारी को शिवपुरी तथा बीएल अहिरवार को जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दमोह के महाप्रबंधक का प्रभार दिया गया है। ये सभी प्रभारी प्रबंधक हैं जिनको उच्च पद का प्रभार दिया गया है। यही मूल विवाद की वजह है।

पहले पदोन्नति रोक कर रखी और अब मनमानी कर रहे

अधिकारियों का कहना है कि एक ओर पदोन्नति पर रोक लगाकर रखी गई है और दूसरी ओर यह मनमानी व्यवस्था सीनियरिटी को दरकिनार कर लागू की गई है। यह व्यवस्था विभागीय पद अनुक्रम, वरिष्ठता और योग्यता के संबंध में प्रश्न खड़े करती है। विभाग के भीतर यह चर्चा भी है कि यदि नियमित रूप से चयनित राजपत्रित अधिकारी उपलब्ध हैं, तो उन्हें दरकिनार कर प्रभारी व्यवस्था के माध्यम से उच्च पदों का प्रभार सौंपने के पीछे क्या प्रशासनिक आधार अपनाया गया। विभाग के इस फैसले के बाद कई प्रभावित अधिकारियों में निराशा और असंतोष का माहौल है। इसकी एक वजह यह भी है कि कई जिलों में राजपत्रित सेवा श्रेणी-2 के अधिकारियों को अब गैर राजपत्रित अधिकारी सेवा श्रेणी-3 के अधीन कार्य करना पड़ेगा और उसकी गोपनीय चरित्रावाली (सीआर) भी वही लिखेंगे।

मंच से कहा- सरकार की मंशा पर न लगाएं पलीता

कुछ अफसरों को लोगों के काम रोकने में मजा आता है, शिवराज सिंह की खरी-खरी

सीहोर, दोपहर मेट्रो

सीहोर जिले में आयोजित जनकल्याण शिविर में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रशासनिक अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ अफसरों को जनता का काम रोकने में मजा आता है। उन्होंने मंच से सीहोर के कलेक्टर का जिक्र करते हुए कहा कि वह सरकार की मंशा पर पलीता न लाए।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कुछ अफसरों को जनता के काम रोकने में मजा आता है। कलेक्टर को सरकार की मंशा पर पलीता नहीं लगाना चाहिए। सरकार जिस मंशा से काम कर रही है, अफसरों को भी उसी भावना से लागू करना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाना और आम जनता को सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इसमें अफसरों को बाधा डालने के बजाय सहयोग करना चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री ने पीएम आवास योजना का किया जिक्र

शिवराज ने अधिकारियों को पीएम आवास योजना का जिक्र करते हुए चेताया। उन्होंने कहा कि अगर किसी का पक्का मकान नहीं है और उसने आवेदन किया है तो उसकी जांच कीजिए, फिजिकल वेरिफिकेशन कीजिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि आवेदन ज्यादा आए तो उसे कोई न कोई बहाना बनाकर निरस्त कर दें। इससे जनता परेशान होती है। सरकार की नीति साफ है कि योग्य लोगों को सरकार की योजनाओं का लाभ मिलेगा।

धारा 370 की समाप्ति और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की स्मृति में होंगे विशेष व्याख्यान

मप्र में गौरव दिवस मनाएगी भाजपा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एक बड़ा अभियान शुरू करने का फैसला किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह द्वारा जारी पत्र के अनुसार आगामी 23 जून से 6 जुलाई तक पूरे देश सहित मध्य प्रदेश में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्मरण पक्ष का भव्य आयोजन किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश भाजपा इस पखवाड़े को जमीनी स्तर पर बूथ गौरव दिवस और विशेष वैचारिक व्याख्यानों के रूप में मनाने जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर गठित केंद्रीय संचालन टोली में मध्य प्रदेश के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह को शामिल किया है, जो राज्य में इन सभी कार्यक्रमों की सीधी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। इस पखवाड़े का सबसे मुख्य वैचारिक केंद्र धारा 370 की समाप्ति रहेगा। व्याख्यानों और सम्मेलनों के माध्यम से कार्यकर्ताओं और जनता को बताया जाएगा कि कैसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ. मुखर्जी के अखंड भारत के सपने को साकार किया गया है।

तीन प्रमुख विषयों पर जिला कार्यकर्ता सम्मेलन

राज्य के सभी जिलों में बड़े पैमाने पर जिला कार्यकर्ता सम्मेलनों की रूपरेखा तैयार की गई है। इन सम्मेलनों में तीन अलग-अलग प्रबुद्ध वक्ताओं द्वारा डॉ. मुखर्जी के सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान, एक केंद्रीय मंत्री के रूप में उनकी कार्यशैली और भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनके ऐतिहासिक योगदान पर केंद्रित विशेष व्याख्यान दिए जाएंगे।

युवा मोर्चा के नेतृत्व में बाहरी परिसर छात्र सम्मेलन

प्रदेश के सभी प्रमुख शैक्षणिक केंद्रों के बाहर युवा पीढ़ी और छात्रों को इस विचारधारा से जोड़ने के लिए छात्र सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशों के अनुसार यह सभी कार्यक्रम शैक्षणिक परिसरों की सीमा से बाहर आयोजित होंगे, जिसकी पूरी कमान और नेतृत्व भाजयुमो के जिम्मे सौंपा गया है। इस पखवाड़े के दौरान मध्य प्रदेश के प्रत्येक नगर और शहर में किसी प्रमुख चौराहे, उद्यान अथवा मार्ग का नामकरण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किया जाएगा।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 15 हजार से अधिक श्रमिकों ने किया सामूहिक योग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

श्रम और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने प्रदेश के श्रमिकों के कल्याण और उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए उन्हें योग से जुड़ने का विशेष आह्वान किया था। मंत्री श्री पटेल के इस प्रेरक आह्वान का असर पूरे प्रदेश में देखने को मिला ! अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर राज्य के औद्योगिक और विभिन्न कार्यक्षेत्रों में श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर योगाभ्यास किया। प्रदेश के कुल 337 संस्थानों में 15 हजार से अधिक श्रमिकों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन शैली अपनाने और योग को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया।

सचिव श्रम रघुराज राजेंद्रन ने कहा कि योग किसी एक दिवस तक सीमित न होकर, श्रमिकों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि श्रमिक प्रतिदिन योग से जुड़ें, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ रह सकें। एक स्वस्थ और ऊर्जावान श्रमिक ही आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण और प्रदेश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। श्रम विभाग और मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल के प्रयासों से आयोजित इस प्रदेश स्तरीय योग कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों ने भी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। श्रम मंत्री पटेल ने स्वयं जबलपुर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उपस्थित होकर श्रमिकों के साथ योग किया। इसी क्रम में, श्रम आयुक्त श्री संदीप जी आर ने इंदौर के एमराल्ड हाइट्स स्कूल में आयोजित मंडल के विशेष कार्यक्रम में भाग लिया।

मेट्रो एंकर

28 जून को आने थे आदेश, विभाग में पहले ही जारी हो गए ट्रांसफर ऑर्डर

स्कूल शिक्षा विभाग में तबादला नीति ही सवालों के घेरे में...

स्वैच्छिक तबादलों की समय-सारिणी में बड़ी विसंगति

कटनी और शिवपुरी के शिक्षकों में असंतोष के हालात

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल शिक्षा विभाग की तबादला प्रक्रिया शुरू होते ही विवादों में घिर गई। स्वैच्छिक तबादलों के लिए ऑनलाइन आवेदन 20 जून से शुरू हुए हैं, लेकिन आवेदन से पहले ही कुछ शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी हो गए। कायदे से आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्थानांतरण आदेश जारी होना था। इसके लिए 28 से 30 जून का समय तय है। शिक्षक संगठनों ने इस विसंगति के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है।

5 प्रतिशत शिक्षकों का ही तबादला हो पाएगा

ई अटेंडेंस की अनिवार्यता, जनगणना में लगे शिक्षकों के स्थानांतरण पर रोक, भोपाल, इंदौर, जबलपुर सहित कुछ जिलों में आवश्यकता से अधिक शिक्षकों की वजह से स्थानांतरण नहीं देने जैसी शर्तों की वजह से इस बार तबादला कम होगा। अनुमान है कि पूरी प्रक्रिया में 20-21 हजार तबादले हो पाएंगे। यह कुल शिक्षकों का पांच प्रतिशत ही है। शुरुआत में विभाग ने 10 से 15 प्रतिशत शिक्षकों को स्थानांतरित करने का अनुमान लगाया था। संविलियन से संबंधित ऐसे सभी प्रकरणों में यही प्रक्रिया अपनाई गई है और आदेश इसी प्रकार जारी किए गए हैं।

पहले जिला आवंटन का आदेश जारी होता है। इसके बाद संबंधित जिले द्वारा विद्यालय/पदस्थापना संबंधी आदेश जारी किए जाते हैं। अगर स्वैच्छिक लिखा है तो इसे दिखवाते हैं।- **अभिषेक सिंह, आयुक्त, डीपीआइ**

ऐसे तबादलों का पहला मामला कटनी जिले में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक दीपक कुमार कुशवाहा का है। कुशवाहा को कटनी से नर्मदापुरम जिले में स्थानांतरण का आदेश जारी हुआ है। दूसरा मामला शिवपुरी की प्राथमिक शिक्षक खुशबू शर्मा का है। उन्हें स्वैच्छिक आधार पर शिवपुरी से ग्वालियर स्थानांतरित किया गया है।

विभाग ने प्रक्रिया की शुरुआत में जो कार्यक्रम जारी किया था उसके मुताबिक स्वैच्छिक तबादलों के आदेश 28 से 30 जून के बीच जारी किए जाने हैं। आवेदन प्रक्रिया के दौरान ही स्थानांतरण आदेश सामने आने से शिक्षकों के बीच असंतोष बढ़ गया है। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कौशल का कहना है कि स्थानांतरण नीति में जो समय-सारिणी बनाई गई है उसी के अनुसार तबादला होना चाहिए। स्वैच्छिक के लिए आवेदन 20 जून से हो रहे हैं और इससे पहले स्वैच्छिक के नाम पर कुछ लोगों को स्थानांतरित कर दिया गया यह गलत है। इससे शिक्षक परेशान हो रहे हैं। हालांकि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी इसे संविलियन का आदेश बता रहे हैं।

रणनीतिक यथार्थ

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शब्द कभी केवल शब्द नहीं होते। वे संकेत होते हैं, संदेश होते हैं और कई बार भविष्य की दिशा का पूर्वाभास भी। यही कारण है कि जब कोई महाशक्ति अपने सैन्य ढांचे, रणनीतिक अवधारणाओं या कूटनीतिक शब्दावली में बदलाव करती है, तो दुनिया उसे सिर्फ प्रशासनिक निर्णय मानकर नहीं छोड़ देती। हाल ही में अमेरिका द्वारा अपने सैन्य कमान ढांचे में किए गए एक परिवर्तन ने भारत में भी ऐसे ही सवालों को जन्म दिया है। पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका के रिश्तों को अक्सर 'ऐतिहासिक ', 'अभूतपूर्व' और 'रणनीतिक साझेदारी का स्वर्णकाल' जैसे विशेषणों से नवाजा गया है। दोनों देशों के बीच रक्षा समझौते बढ़े, सैन्य अभ्यासों का दायरा विस्तृत हुआ और तकनीकी सहयोग नई ऊंचाइयों तक पहुंचा। लेकिन कूटनीति का इतिहास हमें यह भी सिखाता है कि राष्ट्रों के बीच संबंध भावनाओं से नहीं, हितों से संचालित होते हैं। मित्रता की भाषा और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं की भाषा हमेशा एक जैसी नहीं होती। यही विरोधाभास आज भारतीय नीतिनिर्माताओं के सामने खड़ा दिखाई देता है। एक ओर अमेरिका भारत को एशिया में अपने महत्वपूर्ण साझेदारों में गिनता है, वहीं दूसरी ओर उसके कुछ फैसले ऐसे रहे हैं जिन्होंने भरोसे की सतह पर हल्की दरारें भी छोड़ी हैं। व्यापारिक रियायतों की समाप्ति से लेकर समुद्री अधिकारों से जुड़े विवादास्पद कदमों तक, कई घटनाओं ने यह संकेत दिया कि वाशिंगटन अपने रणनीतिक हितों की व्याख्या किसी भी साझेदारी से ऊपर रखता है। दरअसल, महाशक्तियों की राजनीति का स्वभाव ही ऐसा होता है। वे मित्रों का चयन करती हैं, लेकिन निर्णय अपने हितों के आधार पर लेती हैं। यही कारण है कि किसी भी देश के लिए दूसरे राष्ट्र के आश्वासनों से अधिक महत्वपूर्ण उसके व्यवहार का अध्ययन होता है। अंतरराष्ट्रीय मंच पर विश्वास आवश्यक है, लेकिन अंधविश्वास खतरनाक साबित हो सकता है। भारत के लिए यह समय भावनात्मक प्रतिक्रिया का नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्ममंथन का है। बदलती वैश्विक व्यवस्था में अमेरिका के साथ सहयोग निश्चित रूप से आवश्यक है, किंतु यह सहयोग समानता और पारस्परिक सम्मान के आधार पर होना चाहिए। यदि किसी साझेदारी में केवल बयान मजबूत हों और व्यवहार बार-बार अलग संदेश दे, तो प्रश्न उठना स्वाभाविक है।

प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और कर्मठ सीएम डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बढ़ता मध्यप्रदेश

सुरेश पचौरी
वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री

भारत की राजनीति में विकास अब केवल एक नारा नहीं, बल्कि सुशासन की कसौटी बन चुका है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित जनकल्याणकारी केन्द्रीय योजनाओं और मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा प्रभावी क्रियान्वयन ने प्रदेश को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है। आज मध्यप्रदेश विकास, सुशासन, नवाचार और जनभागीदारी का ऐसा मॉडल बनकर उभरा है, जिसकी चर्चा राष्ट्रीय स्तर पर हो रही है।

मध्यप्रदेश की उपलब्धियां केवल सरकारी रिपोर्टों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यहां के करोड़ों नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की सशक्त कहानी भी हैं। यही कारण है कि आज मध्यप्रदेश अनेक केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत 9 लाख से अधिक आवासों का निर्माण कर मध्यप्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 82 लाख से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचना ग्रामीण जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन का उदाहरण है। वहीं आयुष्मान भारत योजना के तहत 4 करोड़ 46 लाख से अधिक कार्ड वितरित कर और 71 लाख से अधिक नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराकर प्रदेश ने स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, पीएम स्वनिधि और पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना जैसी योजनाओं ने महिलाओं, कारीगरों और छोटे व्यापारियों को आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया आधार प्रदान किया है। किसान क्रेडिट कार्ड 6 लाख 50 हजार पशुपालकों को उपलब्ध हो चुके हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 52 लाख महिलाओं को लाभ मिला जो देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में भी मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है।

कृषि क्षेत्र में नई ऊँचाइयों की ओर

मध्यप्रदेश की पहचान कृषि प्रधान राज्य के रूप में रही है, लेकिन आज यह कृषि नवाचार और उत्पादन क्षमता के कारण राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका में दिखाई देता है। प्रदेश खाद्यान्न उत्पादन व गेंहू उत्पादन में देश में दूसरे स्थान पर है, जबकि दलहन एवं तिलहन उत्पादन में प्रथम स्थान पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुका है। मक्का उत्पादन में देश का अग्रणी राज्य होने के साथ-साथ गेहूं, चना, उड़द और मसूर उत्पादन में भी मध्यप्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल है। एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड योजना के तहत 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रकरण स्वीकृत कर प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। 'एग्री स्टैक' परियोजना के तहत एक करोड़ से अधिक यूनिक फार्मर आईडी बनाकर मध्यप्रदेश भारत सरकार से शत-प्रतिशत प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने वाला देश का एकमात्र राज्य बना है। यह उपलब्धि डिजिटल कृषि क्रांति की दिशा में डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की गंभीरता को दर्शाती है।

इसके साथ ही ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नया आधार मिला है। जैसे मत्स्य पालन और पशुपालन के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश लगातार नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है। यह आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को जमीनी स्तर पर साकार करने का प्रभावी प्रयास है।

डिजिटल गवर्नेंस और सुशासन का मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने प्रशासनिक सुधारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं। देश का पहला साइबर पंजीयन कार्यालय और सभी 55 जिलों में साइबर तहसील व्यवस्था लागू करना सुशासन की दिशा में क्रांतिकारी पहल मानी जा रही है। भारत नेट योजना के अंतर्गत 20,422 ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाकर प्रदेश ने ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। यही कारण है कि मध्यप्रदेश आज डिजिटल प्रशासन और तकनीक आधारित सेवा वितरण में अग्रणी राज्यों में गिना जाता है।

निवेश, उद्योग और रोजगार का नया केंद्र

मध्यप्रदेश तेजी से निवेशकों की पहली पसंद बनता जा रहा है। एक वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव आकर्षित करने वाला देश का तीसरा राज्य बनना इसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति का प्रमाण है। धार में देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा उपकरण विनिर्माण क्षेत्र का विकास तथा खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करना इस बात का संकेत है कि प्रदेश उद्योग और रोजगार सृजन के नए युग में प्रवेश कर चुका है। इसके साथ ही पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को 'बेस्ट टूरिज्म स्टेट ऑफ द ईयर' सम्मान प्राप्त होना उसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन संभावनाओं की स्वीकृति है। पर्यटकों के लिए अंतरराज्यीय हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराने वाला यह देश का पहला राज्य है।

स्वच्छता के क्षेत्र में भी प्रदेश ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है। इंदौर ने लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का खिताब जीतकर नया इतिहास रचा है, जबकि भोपाल देश की सबसे स्वच्छ राजधानी के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के चलते नशामुक्ति अभियान के प्रभावी संचालन और अब नक्सलवाद से पूर्ण मुक्ति प्राप्त करना प्रदेश की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है। यह उपलब्धि न केवल सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि विकास के नए अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त करती है।

विकसित भारत के निर्माण में मध्यप्रदेश की निर्णायक भूमिका के तहत आज का मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी नीतियों और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सक्रिय नेतृत्व का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। जनकल्याण, सुशासन, कृषि, उद्योग, डिजिटल नवाचार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्रों में प्राप्त उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि मध्यप्रदेश विकास की नई इबारत लिख रहा है। डबल इंजन की सरकार में यह केवल योजनाओं का सफल क्रियान्वयन नहीं, बल्कि जनता के विश्वास, सरकार की प्रतिबद्धता और विकास की राजनीति का जीवंत उदाहरण है। मध्यप्रदेश आज उस विकसित भारत का प्रतिनिधि बनकर उभर रहा है, जो आत्मनिर्भर, समृद्ध, सुरक्षित और उज्जवल भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ अग्रसर है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

आनंद का सागर है योग, अस्तित्व से शक्ति अर्जित करने का विज्ञान

हृदयनारायण दीक्षित
उप्र विस के पूर्व अध्यक्ष

योग अस्तित्व से शक्ति अर्जित करने का विज्ञान है। इसके बीज सूत्र ऋग्वेद में है। उपनिषदों में है। गीता में विस्तृत हैं। बुद्ध पंथ में तमाम यौगिक क्रियाओं का उल्लेख है। मार्शल ने हड़प्पा सभ्यता पर 'मोहनजोदड़ो एंड दि इंडस सिविलाइजेशन' पुस्तक लिखी थी। इस ग्रंथ में शिव को आर्य देवताओं से भिन्न देवता बताया है। किताब में योग के बारे में लिखा है, ''शैव मत के समान योग का उद्भव भी आर्यों से पहले की आबादी में हुआ था। काव्यों के युग के पहले उसकी कोई महत्वपूर्ण भूमिका आर्यों के धर्म में नहीं थी।'' मार्शल का विवेचन सही नहीं है। वे सिंधु सभ्यता को वैदिक सभ्यता से प्राचीन मानते थे। उनकी मानें तो योग सिंधु सभ्यता के समय विकसित हुआ। वैदिक पूर्वजों ने इसे बहुत बाद में जाना। यह तथ्य संगत नहीं है। वैदिक पूर्वज योग से परिचित थे।

योग चित्त चंचलता की समाप्ति का विज्ञान है। योग के द्वारा बुद्धि का जागरण वैदिक काल में भी था। यह जागरण सामान्य नहीं है। ऋग्वेद में कहते हैं, ''जो जागे हुए हैं, ऋचाएं उनकी कामना करती हैं।'' मन की चंचलता मनुष्य का स्वभाव है। स्थिरप्रज्ञता योग की उपलब्धि है। ऋग्वेद में इन्द्र से कहते हैं, ''आपका मन हमारी ओर हो। (8.45.6) वैदिक देव इन्द्र योग के विज्ञ थे। इन्द्र की प्रशंसा में कहते हैं, ''आपने जन्म लेते ही अपना मन स्थिर किया।'' सृजन का आनंद भी योग से मिलता है। ऋग्वेद (9.68.5) में कहते हैं, ''आनंद प्रशिक्षित मन से आता है।'' मार्शल की आधी बात ठीक है कि हड़प्पावासी योग से परिचित थे। मार्शल की यह बात गलत है कि ऋग्वैदिक काल में योग साधना नहीं थी। मार्शल की यह बात भी गलत थी कि आर्य जन योग से अपरिचित थे। ऋग्वेद में हिरण्यगर्भ का उल्लेख है। वे योग के प्रथम प्रवक्ता माने जाते हैं। योग को व्यवस्थित रूप में विज्ञान बनाने का काम ईसा की दूसरी सदी पूर्व पतंजलि ने किया था। माना जाता है कि वे पुष्यमित्र शुंग के परामर्शदाता थे। पतंजलि ने पाणिनि के व्याकरण पर महाभाष्य लिखा था। उन्होंने ही 'योगसूत्र' नामक महान ग्रंथ लिखा है।

भारतीय दर्शन में दुख का मूल कारण अविद्या है। सांसारिक भोग सुख नहीं देते। पतंजलि ने चित्तवृत्तियों को सुख-दुख का कारण माना है। सिग्मंड फ्रायड प्रसिद्ध मनसविद् थे। उन्होंने मन का मजेदार विश्लेषण किया है। उन्होंने तीन तरह के मन बताए हैं। पहला क्षिप्त मन। दूसरा विक्षिप्त मन और तीसरा मूढ़ मन। लेकिन पतंजलि ने मूढ़, क्षिप्त, विक्षिप्त, एकाग्र और निरुद्ध सहित चित्त की पांच अवस्थाएं बताईं। इन चित्त वृत्तियों की समाप्ति को योग का लक्ष्य बताया-योगश्च चित्त वृत्ति निरोधः (योगसूत्र 2) बताया। मनुष्य का चित्त द्रव्य या पदार्थ नहीं है। पदार्थ होता तो विज्ञान की पकड़ में आता। चित्त मनुष्य शरीर का अति सूक्ष्मतम अदृश्य भाग है। मन और शरीर मिले हुए हैं। मन खराब हो तो शरीर कष्ट पाता है। शरीर में चोट हो तो मन दुखी होता है। अपमान का अनुभव मन पर होता है। ताप शरीर पर होता है। बाईबिल में भी योग के संकेत हैं। बाइबिल (मैथ्यू 5.3) में कहते हैं, ''वे धन्य हैं जो मन के दीन हैं। स्वर्ग का राज्य उनका है।'' एकाग्र मन आनंद का स्रोत है।

मन महत्वपूर्ण है। यजुर्वेद के शिव संकल्प सूत्रों में मन को शिवत्व से भरने की स्तुति है। इसमें 6 मंत्र हैं। कहते हैं, ''हमारा मन नदी पर्वत आकाश तक जाता है। हम उसे वापस बुलाते हैं।'' सभी 6 मंत्रों के अंत में 'तन्मे मनः शिव संकल्पम अस्तु' जुड़ा हुआ है। चित्तवृत्तियों की समाप्ति से एकाग्रता आती है। एकाग्रता की प्राप्ति योगाभ्यास से होती है। मन के साथ शरीर भी स्वयं में स्थिर होता है। स्वयं में स्थिर होना स्वस्थ होना है। पतंजलि के सूत्र संक्षिप्त हैं। कहीं-कहीं एक ही शब्द का वाक्य है। वे आसन, प्राणायाम और ध्यान के माध्यम से आत्मबोध कराते हैं। आसन और प्राणायाम सरल शब्द हैं। ध्यान और समाधि कठिन है। ध्यान एकाग्रता है। पतंजलि के अनुसार ध्यान का केन्द्र केवल उपकरण है। योगसूत्र में प्रीतिकर विषय पर ध्यान के विकल्प हैं। योगसूत्र (समाधिपाद 39) में कहते हैं, ''यथाभिमतध्याना द्वा-जिसकी जैसी इच्छा हो उस केन्द्र पर ध्यान करे। फिर कहते हैं अथवा ईश्वर पर प्राण-ध्यान लगाएं-ईश्वर प्रणिधाना द्वा (वही 23) पतंजलि के सूत्रों में ईश्वर पर ध्यान एक विकल्प है। पतंजलि का ईश्वर सामान्य ईश्वर नहीं है। वे ईश्वर की परिभाषा भी बताते हैं, ''क्लेश, कर्म, कर्मफल और वासना से असम्बद्ध चेतना विशेष ईश्वर है (वही 24)। आगे कहते हैं, ''समय के पार होने के कारण वह गुरुओं का गुरु है।'' योग सिद्धि में समय नहीं होता। इस परिभाषा के अनुसार कोई भी योग के माध्यम से ईश्वर जैसा हो सकता है।

योग भारत का प्राचीन विज्ञान है। दर्शन भी है। इसकी स्वीकृति अंतरराष्ट्रीय है। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस है। इस महापर्व की तैयारियां उल्लासधर्मा हैं। भारत के सभी क्षेत्रों राज्यों में योग दिवस के आयोजन हो रहे हैं। भारतीय राष्ट्र जीवन में योग यत्र तत्र सर्वत्र है। बिना प्रयास किसी का मिलना-जुड़ना संयोग है। अलग हो जाना वियोग है। सहायक बना लेने का ज्ञान उपयोग हैं। आरोपित करना अभियोग है। वस्तुओं का उत्पादन करना उद्योग है। शक्ति का गलत प्रयोग दुरूपयोग है। शक्ति का प्रतिस्पर्धी प्रयोग प्रतियोग है। प्रतियोगिता शब्द इसी से बना है। ज्ञान को साधना का उपकरण बनाना ज्ञान योग है। भक्ति मार्ग भक्ति योग है। कर्म प्रधानता कर्म योग है। संसार को माया और ब्रह्म को वास्तविक जान संन्यास योग है। ज्योतिष में गृह स्थितियों की अनुकूलता संयोग है। गणित में अंकों का जोड़ भी योग है। योग जोड़ने का विज्ञान है। आत्मबोध का दर्शन है। यह अंधविश्वास नहीं है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

खाली पेट लीची खाना गलत, एक्टिव हो सकते हैं सेहत बिगाड़ने वाले कम्पाउंड

समर सीजन में रंग-बिरंगे फलों की बहार रहती है। लेकिन इन फलों के सेवन से पहले कुछ बातों को जानना भी जरूरी है। अगर आपके फेवरेट फ्रूट की लिस्ट में रसीली और लाल लीची शामिल है, तो खाली पेट लीची खाना सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। अलग-अलग रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि लीची और एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम के बीच आपसी तालमेल है, जिसका आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार लीची में दो टॉक्सिक कम्पाउंड पाए जाते हैं। पहला हाइपोग्लाइसिन और दूसरा मेथिलीन साइक्लोप्रोपाइल ग्लाइसिन। ये दोनों कम्पाउंड बॉडी में फैटी एसिड के ऑक्सीडेशन में बाधा पहुंचाते हैं, जिससे ब्लड शुगर लेवल (ग्लूकोज) अचानक से नीचे चला जाता है। ऐसी स्थिति को हाइपोग्लाइसेमिया कहते हैं। यह ग्लूकोज की कमी सीधे दिमाग को प्रभावित करती है, जिससे दौरे, बेहोशी और व्यक्ति की जान भी जा सकती है। रिसर्च के अनुसार बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में हर साल गर्मियों में बच्चों की अचानक मौत हो जाती थी, जिसका कारण लीची में मौजूद टॉक्सिक कम्पाउंड को माना गया।

रिसर्च रिपोर्ट बताती है कि 1 से 10 साल के उम्र के बच्चे और कुपोषित बच्चे लीची में मौजूद टॉक्सिक कम्पाउंड के शिकार हो सकते हैं। क्योंकि इन बच्चों में ग्लाइकोजन (ऊर्जा संग्रह) की मात्रा अत्यधिक कम होती है। और ऐसे बच्चे अगर रात को खाना ना खाएं और सुबह खाली पेट लीची खा लें, तो शरीर में ग्लूकोज़ बनने की क्षमता पूरी तरह से रुक जाती है।

लीची खाने से पहले अपना लें ये नियमः यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के अनुसार खाली पेट लीची का सेवन कभी ना करें। लीची में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है। इसलिए बच्चों को 6-7 और बड़ों को 11-12 से ज्यादा लीची नहीं खाना चाहिए। क्योंकि ज्यादा लीची खाने से लूज मोशन या एसिडिटी की समस्या हो सकती है। ठीक तरह से पके हुए लीची का ही सेवन करना चाहिए। लीची को खाने से पहले कुछ घटों के लिए पानी में रखना भी बेहतर होगा।

अगर लीची खाने के बाद कोई भी शारीरिक परेशानी महसूस हो, तो जल्द से जल्द डॉक्टर से संपर्क करें।

निशाना

आजकल तेजाब में डूबे हुए हैं.!

दिनेश प्रभात

दर्द के.... सैलाब में डूबे हुए हैं
आजकल तेज़ाब में डूबे हुए हैं
यूं तो छोटी झील में पानी बहुत था
पर बड़े तालाब में डूबे हुए हैं
लोग सज-सजकर मुंडेरें हो गए हैं
झालरें, मेहराब में डूबे हुए हैं
इस विरोधाभास को तुम क्या कहोगे
आँख ग़ायब, ख्वाब में डूबे हुए हैं
यार ! पीने की उधर सुविधा बहुत है
इसलिए..पंजाब में डूबे हुए हैं
वोट पाने कौम है ज़्यादा ज़रूरी
शुक्रिया, आदाब में डूबे हुए हैं
आपके ये 'पर' बहुत रंगीन है जी
लग रहा सुरखाब में डूबे हुए हैं।

टेक्नो अपडेट

ना पंखा-ना आवाज, उपकरणों को ठंडा रखने के लिए बेमिसाल प्लाज्मा टेक्नोलॉजी

क्या आप किसी ऐसे पंखे के बारे में सोच सकते हैं जो न दिखाई दे और न कभी आवाज करे, जिसमें न कोई ब्लेड हो और न ही कोई मोटर। फिर यह कोई काल्पनिक बात नहीं बल्कि नई टेक्नोलॉजी है जिसे प्लाज्मा कूलिंग टेक्नोलॉजी कहा जाता है। इस तकनीक को उन डिवाइसेज को ठंडा रखने के लिए तैयार किया गया है जिनमें साधारण कूलिंग फैन आदि नहीं लगाए जा सकते। इतना ही नहीं ये कमाल की तकनीक भविष्य में हमारे गैजेट्स से लेकर अंतरिक्ष तक की मशीनों को बदलने का दम रखती है। प्लाज्मा कूलिंग टेक्नोलॉजी बेहद अनोखी तकनीक है जिसमें पंखे ही नहीं बल्कि किसी वाइब्रेशन आदि का भी इस्तेमाल नहीं होता।

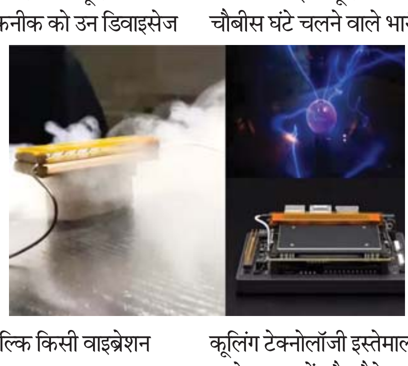

जहां आजकल के लैपटॉप या कंप्यूटर सिस्टम में हमें कूलिंग के लिए पंखे लगे दिख जाते हैं, जो कि शोर भी करते हैं लेकिन प्लाज्मा कूलिंग टेक्नोलॉजी इससे बिलकुल उलट बिना किसी आवाज या शोर के बिलकुल सन्नाटे में डिवाइस को कूल करती है। इसकी अगली खासियत है कि प्लाज्मा कूलिंग टेक्नोलॉजी किसी भी डिवाइस में बहुत कम जगह लेती है और इसी वजह से इसे उन डिवाइसेज में इस्तेमाल किया जाता है, जो कि काफी छोटे या पतले होते हैं मसलन स्लिम फोन या लैपटॉप आदि। प्लाज्मा कूलिंग टेक्नोलॉजी को उन डिवाइसेज और मशीनों को ठंडा करने के लिए बनाया गया है, जिन्हें साधारण फैन या बाकी कूलिंग ऑप्शन से ठंडा नहीं किया जा सकता। इसे कूलिंग टेक्नोलॉजी को मुख्य रूप से चौबीस घंटे चलने वाले भारी-भरकम प्रोसेसर और डेटा सेंटर्स को ठंडा रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसका इस्तेमाल बेहद पतले फोन-लैपटॉप और गेमिंग डिवाइसेज में भी होता है, जहां पंखों को लगा पाना संभव नहीं होता। ईवी की बैटरियों को गर्म होने से बचाने के लिए भी प्लाज्मा कूलिंग टेक्नोलॉजी इस्तेमाल होती है। अंतरिक्ष में जाने वाले उपकरणों और सैटेलाइट्स के नाजुक सेंसरों को बिना किसी वाइब्रेशन के ठंडा रखने के लिए प्लाज्मा कूलिंग टेक्नोलॉजी काम में ली जाती है।

इस तकनीक में जैसे ही हवा के कण चार्ज होते हैं वैसे ही बिजली के कारण तेजी से एक इलेक्ट्रोड दूसरे की ओर भागने लगते हैं। जब हवा के कण तेज रफ्तार से दौड़ते हैं, तो ये अपने साथ हवा के सामान्य अणुओं को भी अपने साथ घसीट ले जाते हैं। इससे हवा में ऐसा बहाव पैदा होता है जैसा कि किसी पंखे के चलने से होता है। टेक्निकल भाषा में इसे आयनिक विंड भी कहा जाता है।

वायरल कंटेंट

पुलिस वर्दी में शख्स की सुरीली आवाज चर्चा में, जीत लिया इंटरनेट का दिल

पुलिस वर्दी में एक व्यक्ति ने गाया 'जान से गुजरते हैं' गाना जिसका वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। उसकी सुरीली आवाज ने लोगों को काफी प्रभावित किया है और दर्शक जमकर उसकी तारीफ कर रहे हैं। वीडियो को बड़ी संख्या में लाइक्स भी मिल रहे हैं और यह लगातार चर्चा में बना हुआ है।

सोशल मीडिया आज के समय में प्रतिभाशाली लोगों के लिए सबसे बड़ा मंच बन चुका है, जहां हर दिन कोई न कोई नया टैलेंट सामने आता है। हर हाथ में स्मार्टफोन और इंटरनेट की आसान पहुंच ने लोगों को अपनी कला दुनिया के सामने रखने का अवसर दिया है। इसी कड़ी में एक ऐसा ही वीडियो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स की गायकी ने लोगों का दिल जीत लिया है।

वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में खड़ा होकर गाना गा रहा है। बताया जा रहा है कि वह किसी एक्टिंग प्रोजेक्ट या शूट का हिस्सा हो सकता है, क्योंकि उसके सोशल मीडिया बायो में सिंगर और राइटर भी लिखा हुआ है। अपने खाली समय का उपयोग करते हुए उसने फिल्म 'धुरंधर-2' में इस्तेमाल हुए लोकप्रिय गाने जान से गुजरते हैं को अपनी आवाज में प्रस्तुत किया, जो लोगों को बेहद पसंद आ रहा है।

उसकी आवाज में एक खास तरह की मधुरता और भावनात्मक गहराई सुनाई देती है, जो सीधे दर्शकों के दिल तक पहुंच रही है। गाने की प्रस्तुति इतनी प्रभावशाली है कि देखने वाले इसे बार-बार सुन रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि उसकी आवाज किसी पेशेवर गायक से कम नहीं है और इसमें एक अलग ही जादू है। यही कारण है कि यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है।

यह वीडियो इंस्टाग्राम पर @vikaskumarmusic_ नाम के अकाउंट से शेयर किया गया है। पोस्ट किए जाने के बाद से इसे अब तक लगभग 10 लाख से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं, जबकि 11.7 मिलियन से ज्यादा लोग इसे देख चुके हैं।

वीडियो पर यूजर्स जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। किसी ने उसकी आवाज की तारीफ करते हुए लिखा कि कमाल की आवाज है, तो किसी ने कहा सलाम है सर, बहुत शानदार गाया है। एक अन्य यूजर ने इसे बहुत खूब बताया, जबकि कुछ लोगों ने उसकी गायकी को प्रोफेशनल स्तर का बताया है। कई यूजर्स ने यह भी कहा कि यह सिर्फ लिप-सिंक नहीं बल्कि एक बेहतरीन लाइव परफॉर्मेंस जैसा अनुभव है। यह एक बार फिर साबित करता है कि सही प्रतिभा को अगर मंच मिल जाए तो वह किसी भी पहचान की मोहताज नहीं रहती।

न्यूज विंडो

कलेक्टर-एसपी सहित 250 जवानों ने देखी 'द नर्मदा स्टोरी'

नर्मदापुरम। जिले में फिल्माई गई फिल्म 'द नर्मदा स्टोरी' को देखने रविवार को प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी बड़ी संख्या में टॉकीज पहुंचे। इस दौरान डीआईजी, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित करीब 250 पुलिस जवानों ने फिल्म का सामूहिक प्रदर्शन देखा। फिल्म प्रदर्शन के बाद जवानों और अधिकारियों ने फिल्म में अभिनय करने वाले अभिनेता शरद सिंह से मुलाकात की और उनके अभिनय की सराहना की। अधिकारियों ने फिल्म में निभाई गई भूमिकाओं और स्थानीय परिवेश को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किए जाने की प्रशंसा की। इस अवसर पर अधिकारियों ने विशेष रूप से अभिनेता शरद सिंह और डीआईजी भोपाल शिमला प्रसाद के अभिनय की सराहना करते हुए कहा कि फिल्म ने नर्मदा अंचल की संस्कृति, भावनाओं और सामाजिक पहलुओं को प्रभावशाली तरीके से दर्शाया है।

बालाघाट जिले के बर्राटोला गांव में महिला सरपंच पर हमला

बालाघाट। जिले के परसवाड़ा थाना क्षेत्र की पंचायत चीनी के बर्राटोला गांव में एक बंद रास्ते को खुलवाने को लेकर हुए विवाद में दलित महिला सरपंच पर हमला किया गया। इस हमले में सरपंच प्रमिला राम उइके घायल हो गईं। घटना के बाद सरपंच और अन्य पंचायत प्रतिनिधियों ने थाने पहुंचकर मामले में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की है।

नगर निगम ने ठेला किया जब्त युवक ने उठाया आत्मघाती कदम

छिंदवाड़ा। शहर में एक युवक ने कथित प्रताड़ना से परेशान होकर घर में फांसी लगाने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक, शहीद स्मारक के पास गन्ने का ठेला लगाने वाले सुजल साहू का ठेला करीब पांच दिन पहले नगर निगम की कार्रवाई में जब्त कर लिया गया था। इसके बाद से वह मानसिक तनाव में था। युवक का आरोप है कि

उसने कई बार ठेला वापस मांगने की कोशिश की, लेकिन उसे नहीं लौटाया गया। जिसके बाद उसने घर पर फांसी लगाने की कोशिश की। परिजन तत्काल उसे अस्पताल ले गए, जहां उपचार जारी है।

कटनी में नाबालिक बच्चों के शराब पीने का पुलिस ने किया खुलासा

कटनी। जिले के बड़वारा थाना इलाके से सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया था, जिसमें कुछ नाबालिग बच्चे शराब पीते नजर आ रहे थे। शाम होते-होते बड़वारा टीआई केके पटेल ने पूरे मामले का खुलासा किया। पुलिस जांच में पता चला है कि बच्चे असल में शराब नहीं पी रहे थे, बल्कि सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए शराब की खाली बोतल में पानी भरकर केवल पीने की एक्टिंग (नाटक) कर रहे थे।

बदनावर में भाजपा नेता के घर हुई सनसनीखेज चोरी का पर्दाफाश

अंतरराज्यीय सिकलीकर गैंग के 5 शातिर चोर गिरफ्तार, जेवर व नकदी किए जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

बदनावर पुलिस ने भाजपा नेता राजेश अग्रवाल के घर हुई सनसनीखेज चोरी का खुलास करते हुए वारदात में शातिर अंतरराज्यीय गैंग का भंडाफोड़ किया है, जिसके तार मध्य प्रदेश के अलावा राजस्थान, गुजरात और दिल्ली से भी जुड़े हैं। मामले में पुलिस ने महिला सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 40 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी बरामद की है। वहीं, घटना में शामिल दो अन्य आरोपी फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार 2 और 3 जून 2026 की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने बदनावर में भाजपा नेता राजेश अग्रवाल के सूने मकान को निशाना बनाया था। चोरों ने फरियादी के घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अलमारी में रखे सोने के कंगन, चेन, हार सेट, अंगूठी, कान की झुमकियां, चांदी के बर्तन, सिक्के और डेढ लाख की नकदी पर हाथ साफ कर दिया था। घटना के बाद थाना बदनावर में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा ने तत्काल स्वयं घटनास्थल का निरीक्षण किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारूल बेलापुरकर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी अरविन्द सिंह तोमर के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया था। एसआईटी ने जब बदनावर, लेबड़ और नयागांव हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला, तो कड़ियां जुड़ती गईं। आरोपियों ने पहले एक चोरी की पल्सर मोटरसाइकिल का इस्तेमाल किया और उसे घटगारा के पास एक खेत में छोड़ दिया। इसके बाद, टोल बैरियर्स और कैमरों की मदद से एक संदिग्ध स्विफ्ट कार आरजे 03 सीबी 1664 को ट्रैक किया गया, जो घटना के समय घटगारा के पास मौजूद थी। यह कार रतलाम, जावरा होते हुए राजस्थान के प्रतापगढ़ की ओर गई। शातिरों ने पुलिस को चकमा देने के लिए ग्राम अरनोद में कार की नंबर प्लेट बदलकर जीजे 27 ईएच 6051 कर दी थी।

300 ग्राम सोना, 2 किलो चांदी जब्त

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया है। जब्त सामान में सोने की माता लक्ष्मी की मूर्ति, सोने की चेन, हार, चूड़ियां, अंगूठियां, चांदी के बड़े-छोटे कटोरे, नारियल, पायल, लोटे तथा 13 हजार 500 की नगदी शामिल है। कुल जब्त मश्रुके में करीब 300 ग्राम सोने के जेवर और 2 किलोग्राम चांदी के सामान शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 40 लाख आंकी गई है। इस चोरी की वारदात में आरोपियों की गिरफ्तारी पर बदनावर थाना प्रभारी अमित सिंह कुशवाह, उप निरीक्षक विजय मिश्रा, हिना जोशी, श्वेता प्रजापत, मनोहरसिंह चौहान, प्रशांत गुंजाल सहित रतलाम जिला पुलिस बल के सउनि प्रदीप शर्मा, आरक्षक अभिषेक पाठक और राजस्थान के चितरी थाने के आरक्षक विरेन्द्रसिंह चुण्डावत का योगदान रहा।

एसआईटी की टीम ने राजस्थान में दी दबिश

तकनीकी जांच से पता चला कि स्विफ्ट कार रघुवीर पिता पर्वत सिंह निवासी गलियाकोट राजस्थान के नाम पर दर्ज है। पुलिस और मुखबिर तंत्र से जानकारी मिली कि रघुवीर और पर्वत सिंह का पूरा परिवार व उनके रिश्तेदार चोरी और नकबजनी के आदतन अपराधी हैं, जिनकी तलाश दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश की पुलिस को है। स्थानीय स्तर पर मुखबिरों को सक्रिय कर पुलिस ने डूंगरपुर, गलियाकोट, नडियाद और वडोदरा में संभावित ठिकानों पर दबिश दी। पुख्ता सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम गलियाकोट थाना चितरी राजस्थान में घेराबंदी कर 5 आरोपियों को हिरासत में लिया, जिन्होंने पूछताछ में बदनावर की चोरी स्वीकार कर ली। पुलिस ने चोरी की वारदात में शामिल आनन्द सिंह पिता पर्वत सिंह सिकलीकर, बलवीर सिंह पिता पर्वत सिंह सिकलीकर, पर्वत सिंह पिता जाम सिंह सिकलीकर, भुरीबाई पति पर्वत सिंह सिकलीकर और अमर सिंह पिता लाल सिंह सिकलीकर निवासी गलियाकोट राजस्थान को गिरफ्तार किया है, गैंग के दो मुख्य सदस्य लड्डु उर्फ रघुवीर सिंह और महेन्द्र पिता लाल सिंह सिकलीकर फिलहाल फरार हैं। पुलिस इनकी तलाश कर रही है और इनसे वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार तथा शेष मश्रुका बरामद किया जाना बाकी है।

बीजेपी विधायक को जनता ने घेरा, लगाए चोर-चोर के नारे

नीमच। दोपहर मेट्रो

जिले के जावद विधानसभा क्षेत्र के गांव में रविवार को हंगामा मच गया। ग्राम बांगरेड़ में रविवार को आयोजित उप स्वास्थ्य केंद्र भवन (आयुष्मान आरोग्य मंदिर) के लोकार्पण कार्यक्रम का माहौल उस समय गरमा गया, जब लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे ग्रामीणों ने भाजपा विधायक ओमप्रकाश सखलेचा का घेराव कर दिया। चुनाव के दौरान किए गए सड़क निर्माण के वादे पूरे नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने विधायक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उन्हें चोर-चोर कहकर संबोधित किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में लोग विधायक पर अपना वादा पूरा नहीं करने के आरोप लगा रहे हैं। बता दें कि, ओमप्रकाश सखलेचा जावद विधानसभा क्षेत्र से लगातार पांच बार निर्वाचित हो चुके है। जानकारी के अनुसार ग्राम बांगरेड़ में करीब 65 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण करने विधायक ओमप्रकाश सखलेचा पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा क्षेत्र में हुए विकास कार्यों और आधुनिक सुविधाओं की बात की जा रही थी, तभी ग्रामीणों ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचने वाले मार्ग की बदहाल स्थिति का मुद्दा उठा दिया। ग्रामीणों का कहना था कि खेडा बांगरेड़ और बांगरेड़ के बीच की सड़क वर्षों से खराब हालत में है। बारिश के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह कीचड़ और पानी से भर जाता है।

खंडवा में पिता की आंखों के सामने बुझ गए घर के चिराग, तालाब में डूबने से दो भाईयों की मौत

खंडवा। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले के पलासी गांव में रविवार को एक बड़ी घटना से मातम पसर गया है। यहां एक ही परिवार के दो बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि, दोनों बच्चे अपने पिता के साथ खेत गए थे। पिता खेत के पास तालाब में बैलों को पानी पिलाने ले गए थे, तब दोनों तालाब में नहाने लगे। गहरे पानी में चले जाने से दोनों डूब गए। दोनों ने तालाब में ही दम तोड़ दिया।

राजू गुर्जर गांव के पास ही खेत में पत्नी के साथ मजदूरी करने गया था। इसी बीच कुछ देर बाद उसके दोनों बेटे 15 वर्षीय सुधीर और 12 वर्षीय राज भी खेत आ गए। खेत के पास ही तालाब होने से राजू बैलों को पानी ले गया था, वहां सुधीर और राज भी हुंच गए। दोनों तालाब में नहाने की बात कही इसपर पिता ने उन्हें किनारे में नहाने की सेहमति दे दी। एक तरफ जहां पिता बैल को पानी पिलाने में लगा हुआ था तो वहीं दूसरी तरफ नहाते समय अचानक दोनों गहरे पानी में चले गए। कुछ देर बाद जब पिता को बच्चों का ध्यान आया उसने तालाब में चारों ओर नजर दौड़ाई तो दोनों बच्चे तालाब में कहीं नजर नहीं आए। ऐसे में पिता ने तालाब में दोनों की तलाश शुरू की। तालाब में सर्च करने पर दोनों बच्चे मिल गए। जिसके बाद ग्रामीणों की मदद से दोनों को जिला अस्पताल लेकर जाया गया। लेकिन, यहां यहां डॉक्टर ने दोनों को ही मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना के बाद पुलिस को सूचना दी गई। वहीं, मामले को लेकर धनगांव थाना प्रभारी जी.पी वर्मा ने बताया कि, तालाब में नहाते समय दोनों भाईयों की डूबने से मौत हुई है। मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराकर देर शाम तक परिवार को सौंप दिया गया है।

मां का रो-रोकर बुरा हाल

घटना की जानकारी लगने पर धनगांव थाने से एसआई निर्मल कनौजे पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। तालाब का जायजा लेकर जिला अस्पताल के मरच्यूरी रूम में परिवार वालों के बयान दर्ज कराए। यहां मरच्यूरी रूम के बाहर बैठी मां का रो-रो कर बुरा हाल हो गया था। परिवार के लोग उन्हें संभालते रहे। बताया जाता है कि दोनों ही भाई सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव थे। इंस्टाग्राम पर रील बनाकर अपलोड करते रहते थे।

विवाहिता से रास्ते में करता था छेड़छाड़, आरोपी गिरफ्तार

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन घट्टिया थाना क्षेत्र में एक विवाहिता को फोन पर धमकाने और रास्ते में छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। महिला की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सख्त कदम उठाए और महिला अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति का संदेश दिया।

उज्जैन के घट्टिया थाना पुलिस ने एक विवाहिता को फोन पर धमकाने और रास्ते में छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में महिला सुरक्षा को लेकर सख्त संदेश गया है। थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया कि ग्राम झीतरखेड़ी निवासी एक विवाहिता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सलामता गांव निवासी 26 वर्षीय गोविंद यादव, पिता रघुनाथ यादव, पिछले कई दिनों से उसे फोन कर परेशान कर रहा था। आरोपी कथित रूप से महिला को जान से मारने की धमकी देता था और रास्ते में रोककर छेड़छाड़ भी करता था।

लगातार हो रही प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़िता ने घट्टिया थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देश और महिला अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी गोविंद यादव को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मंडला में योग दिवस पर जिला प्रशासन ने लगाया रक्तदान शिविर

मंडला। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को जिला प्रशासन ने एक वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस मेगा अभियान के तहत जिले में कुल 105 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। रक्तदान शिविर की शुरुआत सामूहिक योग कार्यक्रम के बाद हुई।रक्तदाताओं को कलेक्टर, जिला प्रशासन और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

मेट्रो एंकर — सात मंजिला नौलखी मंदिर का रंग-रोगन अंतिम चरण में

महाप्रभु के स्वागत में सजा मौसी का घर, गुलाबी आभा से दमक उठा सात मंजिला नौलखी मंदिर

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में अभी भले ही कुछ दिन शेष हों, लेकिन स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर में महाप्रभु के आगमन की आहट अभी से सुनाई देने लगी है। श्रद्धालु जिस धाम को भगवान जगन्नाथ स्वामी की मौसी का घर मानते हैं, वहां इन दिनों हर सुबह रंग, ब्रश और बारीक कारीगरी के साथ सेवा का एक अनूठा अध्याय लिखा जा रहा है। सात मंजिला नौलखी मंदिर का हर खंभा, हर मेहराब और हर शिखर मानो एक ही संदेश दे रहा है महाप्रभु, आपका घर आपके स्वागत के लिए तैयार हो रहा है। मंदिर में चल रहा यह कार्य केवल रंगाई-पुताई भर नहीं, बल्कि उस आस्था का श्रृंगार है, जिसे सिद्ध संत बाबा जगन्नाथ दास जी महाराज ने अपनी तपस्या से सींचा था। दूर से नजर पड़ते ही गुलाबी आभा से दमकता सात मंजिला नौलखी मंदिर इन दिनों हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। सोशल मीडिया पर भी मंदिर की नई छवि आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मंदिर का स्वरूप भले वही हो, लेकिन उसकी आभा बदल गई है। रंग-रोगन ने केवल दीवारों को नहीं संवारा, बल्कि श्रद्धा और आस्था के रंगों को भी पहले से अधिक गहरा कर दिया है। राहगीरों के कदम भले आगे बढ़ जाएं, लेकिन निगाहें मंदिर पर ठहर जाती हैं और हाथ स्वतः ही श्रद्धा से जुड़ जाते हैं। नगर की प्रमुख आस्था का केंद्र स्टेशन रोड स्थित नौलखी मंदिर इन दिनों सेवा, समर्पण और भक्ति के रंगों से आलोकित हो रहा है। करीब डेढ़ महीने से यहां रंग-रोगन और मरम्मत का कार्य नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज के सानिध्य और मार्गदर्शन में लगातार चल रहा है। मंदिर के शिखर से लेकर प्रवेश द्वार तक रंग-रोगन का कार्य अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई को नगर में धूमधाम से निकाली जाएगी और उससे पहले मंदिर पूरी तरह सज-धजकर महाप्रभु की अगवानी के लिए तैयार हो जाएगा।

नौलखी मंदिर केवल नगर ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की श्रद्धा का प्रमुख केंद्र है। सिद्ध संत बाबा जगन्नाथ दास जी महाराज की तपस्या से जुड़ा यह धाम वर्षों से जन-जन की आस्था का आधार बना हुआ है। कहा जाता है कि स्टेशन रोड स्थित यह नौलखी मंदिर बाबा जगन्नाथ दास जी द्वारा रोपा गया वह पौधा है, जो आज उनकी तपस्या के बल पर सेवा और श्रद्धा का विशाल वटवृक्ष बन चुका है। बाबा के तपोबल के कारण देशभर के साधु समाज और अखाड़ों में नौलखी खालसा को आज भी विशिष्ट सम्मान प्राप्त है।

वेत्रवती घाट स्थित नौलखी तपोवन आश्रम में विराजमान महाप्रभु जगन्नाथ हर वर्ष रथ महोत्सव के अवसर पर रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। नगर भ्रमण के बाद वे 11 दिन तक स्टेशन रोड स्थित अपने मौसी घर में विराजते हैं, जहां उनके स्वागत में प्रतिदिन जिलेभर के संगीत कलाकारों द्वारा भक्ति और उत्सव का आयोजन किया जाता है। नगर में रथयात्रा की यह परंपरा करीब सौ वर्ष पहले बाबा जगन्नाथ दास जी द्वारा प्रारंभ की गई थी, जो आज भी पूरे श्रद्धा भाव के साथ निभाई जा रही है। श्रद्धालुओं का कहना है कि रथ के पहिए चलने से पहले ही महाप्रभु की मौसी का घर गुलाबी आभा में नहा उठा है। उगते सूर्य की किरणें जब मंदिर के शिखर को स्पर्श करती हैं।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना ऐशबाग जिला भोपाल

कार्यालय मो. नं. 9479990520 Email.id psaishbag-bpl@gmail.com

क्र. 498/26 दिनांक 11/05/26

जाहिर सूचना/पप्पलेट

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। दिनांक 01/11/2025 को सूचक सीएमओ डॉ. नईम बक्श तर्फे टेलीफोन अटेंडर हरीसिंह चौहान की सूचना पर मृतक अज्ञात ज्ञात नाम जगदीश पिता राम सिंह आयु 70 साल निवासी गोविन्द गार्डन, सुभाष नगर ऐशबाग जिला भोपाल, की इलाज के दौरान मृत्यु होने पर मर्ग क्र. 55/25 धारा 194 बी.एन.एस. का कायम कर जांच में लिया गया। अतः मृतक श्री जगदीश सिंह पिता श्री राम सिंह आयु 70 साल की तलाश हेतु मृतक का फोटो मृतक के परिवारजनों की तलाश हेतु प्रकाशित करवाने का कष्ट करें। जिसके मृतक के परिजनों के संबंध में कोई जानकारी मिलने पर थाना ऐशबाग जिला भोपाल के मोबाइल नं. 9479990520, 9479990521, 7049104119 (जाँच कर्ता) को सूचित करने का कष्ट करें।

मृतक का हुलिया- रंग गेहुंआ, कद 5 फिट 8 इंच, इकहरा बदन, सिर व दांडी मूंछ के बाल सफेद हैं।

थाना प्रभारी
थाना ऐशबाग जिला (भोपाल)

जी-14667/26

पानी की किल्लत: नगर परिषद अमले की मनमानी से बिगड़ी पेयजल व्यवस्था, रहवासी हो रहे परेशान

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में भीषण गर्मी के बीच पेयजल आपूर्ति व्यवस्था चरमराने से नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर नगर परिषद एवं प्रशासनिक अधिकारी बैठकों के माध्यम से सुचारु जलापूर्ति सुनिश्चित करने के प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मैदानी स्तर पर कार्यरत कुछ कर्मचारियों की मनमानी एवं अव्यवस्थित कार्यप्रणाली के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। नगर में पेयजल की आपूर्ति मुख्य रूप से नर्मदा जल परियोजना के माध्यम से की जाती है, जबकि जिन क्षेत्रों में नर्मदा जल नहीं पहुंच पाता, वहां नगर परिषद के बोरवेलों से जल सप्लाई की जा रही है। वर्तमान में नर्मदा जल आपूर्ति का कोई निश्चित समय निर्धारित नहीं होने के कारण दो से तीन दिन के अंतराल में किसी भी समय पानी छोड़ा जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में नागरिक समय पर पानी नहीं भर पा रहे हैं और उन्हें पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से एक दिन छोड़कर नियमित जल आपूर्ति की व्यवस्था रही है, लेकिन इस बार गर्मी के मौसम में जल वितरण का कोई तय समय नहीं होने से स्थिति और अधिक खराब हो गई है। वार्ड क्रमांक 8 के निवासी रमेश, अजय, अनिल, सौरभ सहित अन्य नागरिकों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद के कुछ कर्मचारी जल लाइन खोलने या संबंधित जानकारी मांगने पर अभद्र व्यवहार करते हैं तथा लोगों से उचित तरीके से बात नहीं करते। उनका कहना है कि नागरिक नियमित रूप से जलकर का भुगतान करते हैं, लेकिन पानी महीने में केवल 15 दिन ही उपलब्ध हो पाता है, जबकि शुल्क पूरे माह का वसूला जाता है। नागरिकों ने मांग की है कि नगर परिषद पहले अपने कर्मचारियों को आमजन से शिष्टाचारपूर्वक व्यवहार करना सिखाए तथा जलापूर्ति का एक निश्चित समय निर्धारित करे, जिससे लोग अपनी दैनिक जरूरतों के लिए समय पर पानी संग्रह कर सकें। इस संबंध में जल सप्लाई प्रभारी रामकुमार यादव ने बताया कि यदि किसी कर्मचारी द्वारा अनुचित व्यवहार किया जा रहा है तो उसे समझाइश दी जाएगी। उन्होंने कहा कि नर्मदा जल आपूर्ति कई बार बिजली बाधित होने के कारण प्रभावित होती है। बिजली आने के बाद पुनः जल सप्लाई शुरू की जाती है, जिसके चलते निश्चित समय तय नहीं हो पा रहा है। वहीं एसडीएम सी.जी. गोस्वामी ने कहा कि कर्मचारियों द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत मिलने पर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर परिषद कर्मचारियों की बैठक बुलाकर जलापूर्ति व्यवस्था को सुधारने और नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए जाएंगे।

न्यूज विंडो

महिलाओं में आत्मविश्वास एवं उत्साह बढ़ाने कार्यक्रम आयोजित

सागर. महिला एवं बाल विकास विभाग की सागर शहरी 2 परियोजना के संतकबीर वार्ड सेक्टर 4 में लाडली बहना खेलकूद साप्ताहिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें वार्ड पार्षद धर्मेन्द्र खटीक गुड्डा, बीआरसी अनिरुद्ध ,अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से चन्दन, प्रीति सोनी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग से सेक्टर सुपरवाइजर संध्या ढाड़ी की उपस्थिति में लाडली बहनाओ को खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई. कार्यक्रम में कुर्सी दोड, हूला हूल, बैलून चैन,नारी श्रंखला,खो खो, लंगड़ी इत्यादि खेल खिलाएं गए। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास और उत्साह को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रजनी कोष्ठी, द्रोपदी अहिरवार, रोशनी शकवार, रंजीता,व सेक्टर की कार्यकर्ताओं ने भाग लिया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजन पर जनपद अध्यक्ष की उपेक्षा का आरोप

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित मैकल पार्क में रविवार को जिला प्रशासन अनूपपुर के तत्वावधान में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने सहभागिता कर योगाभ्यास किया तथा योग को दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। हालांकि कार्यक्रम के बाद आमंत्रण पत्र को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई है। जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ की वर्तमान अध्यक्ष मिथलेश सिंह के समर्थकों एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि जिला प्रशासन द्वारा जारी आमंत्रण पत्र में वर्तमान जनपद अध्यक्ष मिथलेश सिंह का नाम शामिल नहीं किया गया। इतना ही नहीं, आमंत्रण पत्र में वर्तमान जनपद अध्यक्ष के स्थान पर पूर्व जनपद अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम का नाम प्रकाशित कर दिया गया। इस मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों का कहना है कि किसी भी शासकीय कार्यक्रम में वर्तमान निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उचित सम्मान एवं प्रोटोकॉल के अनुरूप स्थान दिया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि आमंत्रण पत्र में हुई इस त्रुटि से न केवल वर्तमान जनपद अध्यक्ष की उपेक्षा हुई है, बल्कि जनप्रतिनिधियों के प्रति प्रशासनिक संवेदनशीलता पर भी प्रश्नचिह्न खड़े हुए हैं। बताया जा रहा है कि जनपद अध्यक्ष मिथलेश सिंह को कार्यक्रम में आमंत्रित करने को लेकर भी पर्याप्त गंभीरता नहीं दिखाई गई। समर्थकों का कहना है कि यदि यह मात्र प्रशासनिक त्रुटि थी तो समय रहते उसका सुधार किया जाना चाहिए था, ताकि किसी प्रकार का भ्रम या विवाद उत्पन्न न हो। वहीं, प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार आमंत्रण पत्र में नाम अंकित होने संबंधी त्रुटि अनजाने में हुई हो सकती है। हालांकि इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

विकासखंड में उत्साहपूर्वक मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

तेंदूखेड़ा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर तेंदूखेड़ा विकासखंड के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में योगाभ्यास एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विकासखंड स्तरीय मुख्य कार्यक्रम शासकीय संदीपनी विद्यालय में संपन्न हुआ, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सी.जी. गोस्वामी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी नितेश पांडे तथा विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। रविवार स्वैच्छिक होने के कारण अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी इस आयोजन में शामिल नहीं हुए। योग दिवस कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं सहित सभी उपस्थितजनों ने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योगाभ्यास के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नियमित योग करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के उपरांत एसडीएम श्री गोस्वामी द्वारा विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण के महत्व की जानकारी देते हुए पौधों की देखभाल करने का संकल्प दिलाया। इसी क्रम में नगर से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित पीएम श्री शासकीय एकीकृत माध्यमिक विद्यालय बम्हौरी पाँजी में भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। यहां प्रातः 6 बजे से 7:45 बजे तक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में शाला की प्रधानाध्यापिका सीमा दुबे के नेतृत्व में योग सत्र संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिक्षक रवि सिंह लोधी, श्रीमती दुर्गेश दुबे, रितु श्रीवास एवं रजनी लोधी सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

अब तक 7 गिरफ्तार, एक फरार आरोपी ओम अहिरवार की तलाश जारी

मयंक हत्याकांड मामले में आरोपी मनु सोनी एवं यश सोनी गिरफ्तार, पूछताछ जारी

सागर। दोपहर मेट्रो

थाना मोतीनगर पुलिस ने मयंक साहू चर्चित हत्या प्रकरण में बड़ी सफलता अर्जित की है। प्रकरण के 10-10 हजार के इनामी फरार मुख्य आरोपी यश सोनी व मनु सोनी को गिरफ्तार किया है। उल्लेखनीय है कि गत 21 मई 2026 की रात्रि लगभग 10:30 बजे थाना मोतीनगर क्षेत्र अंतर्गत विवेकानंद वार्ड, मछरयाई स्थित गोंड बब्बा चबूतरा क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते फरियादी ओम साहू एवं उसके भाई मयंक साहू के साथ आरोपियों ने विवाद एवं गाली-गलौज की। इसी दौरान आरोपियों द्वारा अवैध हथियार से फायरिंग की गई, जिससे मयंक साहू गंभीर रूप से घायल हो गया उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई वहीं फरियादी ओम साहू पर भी चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल किया गया। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत हुए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही के परिणामस्वरूप घटना के मात्र 24 घंटे के भीतर 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया।

घटना के बाद से मामले के तीन फरार आरोपी मनु सोनी, यश सोनी एवं ओम अहिरवार गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदलते रहे। तीनों आरोपी गुजरात, आंध्र प्रदेश, दिल्ली तथा मध्यप्रदेश के पीथमपुर, अशोकनगर, इंदौर एवं कटनी सहित विभिन्न स्थानों पर छिपकर फरारी काट रहे थे। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण, साइबर इनपुट, मुखबिर तंत्र तथा अंतरराज्यीय समन्वय के माध्यम से लगातार प्रयास किए गए। 19 जून 2026 को विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि तीनों फरार आरोपी सागर आने वाले हैं तथा अपने परिवार जनो की जमानत के लिए धन की व्यवस्था करने किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना पर विशेष टीमों द्वारा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं शहर के सभी प्रवेश मार्गों पर निगरानी शुरू की गई। 19-20 जून की दरमियानी रात सूचना मिली कि आरोपी बम्हौरी रेंगुवा रेलवे आउटर पर ट्रेन से उतरकर पटरियों के रास्ते शहर में प्रवेश करने वाले हैं। पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी किए जाने पर तीनों आरोपी भागने लगे। इसी दौरान मनु सोनी निर्माणाधीन रेलवे ब्रिज से नीचे कूद गया, जबकि दो आरोपी अंधेरे का लाभ उठाकर फरार हो गए। मनु सोनी को गिरफ्तार कर तलाशी लेने पर उसके कब्जे से लगभग 20 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग बरामद की गई। आरोपी मनु सोनी उपरोक्त हत्या के प्रकरण के साथ-साथ थाना मोतीनगर के ही एक अन्य एनडीपीएस के प्रकरण में भी फरार चल रहा था। मुख्य आरोपी यश सोनी को ललितपुर (उत्तर प्रदेश) से पकड़कर पुलिस अभिरक्षा में लेकर थाना मोतीनगर लाया गया। उसके पास से घटना में प्रयुक्त देशी कट्टा भी बरामद कर लिया गया है।

25 से ज्यादा मामले ददर्ज

आरोपी मनु सोनी के विरुद्ध हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, मारपीट सहित लगभग 25 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं तथा आरोपी यश सोनी के विरुद्ध लगभग 8 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। इस चर्चित हत्या प्रकरण में अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। प्रकरण में ओम अहिरवार अभी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस की विशेष टीमें लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

सराहनीय योगदान देने वाली टीम में शामिल

निरीक्षक जसवंत सिंह राजपूत (थाना प्रभारी)- उप निरीक्षक शशिकांत गुर्जर- उप निरीक्षक पी.डी. ठाकुर- प्रधान आरक्षक वीरेंद्र शर्मा, सौरभ रैकवार,सुनील चौबे, दिनेश यादव, जानकी मिश्रा- आरक्षक श्रीकांत चौबे, आशीष यादव, आशीष सिंह, मनीष तिवारी, प्रदीप शर्मा, अमन स्वामी, सत्येंद्र सिंह, अनुराग वैद्य, गुड्डू शर्मा, आंचल सेन, चंदन बिल्थारे, सोमवीर सिंह, कुलदीप ठाकुर, दीपक अहिरवार,मुकेश अहिरवार, हेमेंद्र ठाकुर शामिल रहे।

बस स्टैंड के हाल: दो बसें खड़ी हो जाएं तो पैदल निकलना भी दूभर

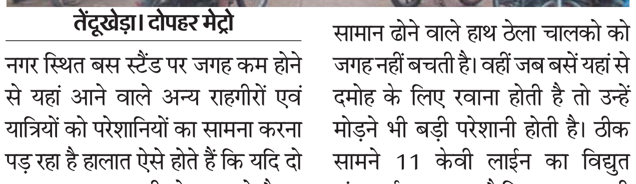

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर स्थित बस स्टैंड पर जगह कम होने से यहां आने वाले अन्य राहगीरों एवं यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है हालात ऐसे होते हैं कि यदि दो बस एक साथ खड़ी हो जाए तो पैदल निकलना भी मुश्किल होता है नगर वासी कई बार बस स्टैंड को चिंहित स्थान पर करने की मांग कर चुके हैं लेकिन इस ओर प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है नगर वासियों ने बताया कि बस स्टैंड पर यात्री बसों स्टापेज गलत जगह होने से राहगीरों एवं यात्रियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि जहां पर अभी यात्री बसें खड़ी होती है वहां पर जगह बहुत कम है। यदि दो बसे खड़ी हो जाये तो बाइक चालक, पैदल राहगीर व सामान ढोने वाले हाथ ठेला चालको को जगह नहीं बचती है। वहीं जब बसें यहां से दमोह के लिए रवाना होती है तो उन्हें मोड़ने भी बड़ी परेशानी होती है। ठीक सामने 11 केवी लाईन का विद्युत ट्रांसफार्मर लगा हुआ है जिस कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा घटित हो सकता है जहा अभी बसे खड़ी होती है ठीक उसी के पीछे बस स्टैंड का दूसरा हिस्सा बना हुआ है। वहा पर पर्याप्त 10 से 15 बसे खड़ी हो सकती है और जगह भी पर्याप्त है इतनी बसे खड़ी होने के बाद भी बहुत सारा रिक्त स्थान बचेगा जिससे पैदल चलने वालों को, बाइक चालकों, लगेज ढोने वाले पल्लेदारों के हाथ ठेलो को भी सहूलियत होगी ठीक बाजू में प्रतीक्षालय में यात्री यहां बैठ कर बसों का इंतजार कर सकते हैं।

कार्य में लापरवाही पर संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा निलंबित

सागर। दोपहर मेट्रो

कमिश्नर सागर संभाग अनिल सुचारी ने पशुपालन एवं डेयरी विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. कल्पना दीवान द्वारा विभागीय कार्यों में लापरवाही, अनुशासनहीनता तथा निर्धारित दायित्वों के निर्वहन में अनियमितता करने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित किया। जारी आदेश के अनुसार पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद डॉ. दीवान द्वारा लगभग तीन माह तक अनियमित रूप से उपस्थिति दर्ज कराते हुए वेतन आहरित किए होना पाया गया। साथ ही उनके पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण के अभाव में सागर संभाग अंतर्गत संचालित विभागीय योजनाओं की प्रगति भी असंतोषजनक पाई गई। डॉ. कल्पना दीवान को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

स्वरोजगार के नाम पर कर्ज का जाल

शहडोल संभाग के 3 जिलों में बढ़ रहा माइक्रो फाइनेंस ऋण का बोझ

शहडोल। दोपहर मेट्रो

अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेने की बढ़ रही प्रवृत्ति, महिलाओं पर बढ़ रहा आर्थिक दबाव।

शहडोल में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के कर्ज जाल में लाखों महिलाओं के फंसने की खबरों के बीच अब शहडोल संभाग के अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिलों में भी ऐसी ही स्थिति बनने की आशंका जताई जा रही है। संभाग के ग्रामीण और आदिवासी अंचलों में स्वरोजगार, महिला समूह, पशुपालन, कृषि और घरेलू आवश्यकताओं के नाम पर बड़ी संख्या में छोटे-छोटे ऋण वितरित किए जा रहे हैं। कोतमा, बिजुरी, पुष्पराजगढ़, जैतहरी, अनूपपुर, बुढार, जयसिंहनगर, जैतपुर, ब्यौहारी, शहडोल, मानपुर, चंदिया और करकेली क्षेत्रों में कई परिवार ऐसे हैं जिन्होंने एक ऋण की किस्त चुकाने के लिए दूसरा ऋण लिया है। परिणामस्वरूप कई महिलाओं पर अलग-अलग वित्तीय संस्थाओं और माइक्रोफाइनेंस कंपनियों का कर्ज बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में समूह ऋण प्रणाली के कारण एक सदस्य के डिफॉल्ट होने पर पूरे समूह पर दबाव बनता है। कई मामलों में साप्ताहिक और मासिक किस्तों का बोझ परिवारों की आय से अधिक हो जाता है, जिससे आर्थिक और सामाजिक तनाव बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ऋण वितरण के साथ वित्तीय साक्षरता, आय का आकलन और ऋण सीमा का पालन नहीं किया गया तो शहडोल संभाग में भी छोटे ऋणों का संकट गंभीर रूप ले सकता है। प्रशासन, बैंकिंग संस्थाओं और नियामक एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जरूरतमंदों को राहत मिले, लेकिन वे कर्ज के ऐसे चक्र में न फंसें जिससे निकलना मुश्किल हो जाए।

मेट्रो एंकर — तीन हजार से अधिक प्रतिभागियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में भाग लिया

प्रधानमंत्री ने योग को गांव-गांव तक पहुंचाया: राजपूत

सागर । दोपहर मेट्रो

12 वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पीटीसी ग्राउंड पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि योग से शरीर, मन और चित्त सब स्वस्थ होता है, योग अवश्य करें। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ विचारों का संचरण होता है एवं व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तो परिवार, समाज, देश स्वस्थ रहेगा। योग भारत से विश्वभर में पहुंचा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में योग को गाँव-गांव तक पहुंचाया।

इस दौरान योगाचार्य विष्णु आर्य ने जन समूह को योग के आसनों का अभ्यास करवाया। 3000 से अधिक प्रतिभागियों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगाभ्यास में भाग लिया। विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि योग की शक्ति का जीवंत उदाहरण योगाचार्य विष्णु आर्य हैं। सागर के लोगों में योग के प्रति आकर्षण बढ़ा है। उस दौरान उन्होंने सागर को योग नगरी बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सागर को गौर नगरी के साथ योग नगरी बनाने के लिए हमें संकल्प लेना होगा और जब हम सभी योग करेंगे तो हमारा सागर स्वस्थ सागर बनेगा। हम सभी को प्रतिदिन योग करना चाहिए। योग दिवस योग फॉर हेल्दी एजिंग अर्थात स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर आयोजित कार्यक्रम में कोलकाता में आयोजित राष्ट्रीय योग कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना व देखा गया।

कार्यक्रम में महापौर संगीता तिवारी, श्याम तिवारी, कमिश्नर अनिल सुचारी, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक के वी, नगर निगम कमिश्न राजकुमार खत्री, अपर कलेक्टर अविनाश रावत, एसडीएम अमन मिश्रा, डॉ. जोगेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, छात्र-छात्राएं एवं अधिकारी सम्मिलित हुए।

मेजर लीग क्रिकेट 2026: टूटते-टूटते बचा क्रिस गेल का रिकॉर्ड

13 छक्के, 11 चौके, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने एमएलसी में काटा गदर

डलास, एजेंसी

मेजर लीग क्रिकेट 2026 में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मिचेल ओवेन ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से नया इतिहास रच दिया। वॉशिंगटन फ्रीडम के सलामी बल्लेबाज ओवेन ने एमआई न्यूयॉर्क के खिलाफ सिर्फ 68 गेंदों में 155 रनों की तूफानी पारी खेली। MLC के इतिहास में किसी बल्लेबाज का ये सर्वोच्च स्कोर रहा।

डलास के ग्रैंड प्रेयरी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मिचेल ओवेन ने शुरुआत से ही गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। उन्होंने 11 चौके और 13 छक्कों की मदद से 155 रन बनाए और वॉशिंगटन फ्रीडम को 245/5 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया। उनकी इस पारी ने टूर्नामेंट के कई रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए और क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मिचेल ओवेन ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ के साथ पहले विकेट के लिए सिर्फ 57 गेंदों में 134 रनों की साझेदारी की। स्मिथ ने दूसरे छोर से उनका साथ दिया, जबकि ओवेन लगातार बड़े शॉट खेलते रहे। स्मिथ के आउट होने के बाद भी ओवेन नहीं रुके और न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन के साथ मिलकर टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया।

दोनों बल्लेबाजों के बीच 82 रन की साझेदारी हुई। मिचेल ओवेन की बल्लेबाजी देखकर विपक्षी गेंदबाज पूरी तरह बेबस नजर आए। मैदान के हर कोने में उन्होंने शॉट लगाए और एमआई न्यूयॉर्क के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया।

...तो टूट जाता गेल का महारिकॉर्ड – दिलचस्प बात यह रही कि जब मिचेल ओवेन आउट हुए, तब पारी में 19 गेंदें बाकी थीं। 17वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने अपनी ही गेंद पर शानदार कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत किया। बता दें कि टी20 क्रिकेट में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर क्रिस गेल ने बनाया हुआ है। वेस्टइंडीज के इस दिग्गज बल्लेबाज ने IPL (इंडियन प्रीमियर लीग) 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ नाबाद 175 रन बनाए थे।

16 महीनों में क्रिकेट के किसी फार्मेट में जड़ा पहला शतक

यह पारी मिचेल ओवेन के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि पिछले 16 महीनों में किसी भी प्रारूप में यह उनका पहला शतक था। इस साल खराब बिग बैश लीग सीजन के बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप टीम में जगह नहीं मिली थी। ऐसे में यह पारी उनके लिए जोरदार जवाब साबित हुई। 155 रनों का यह स्कोर मिचेल ओवेन के प्रोफेशनल करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी है। इससे पहले उनका सर्वोच्च स्कोर 149 रन था, जो उन्होंने 2025 में तस्मानिया के लिए लिस्ट-ए क्रिकेट में बनाया था। इस पारी के साथ वह टी20 क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर बनाने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों की सूची में एरॉन फिंच के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फिंच के नाम 172 और 156 रनों की पारियां दर्ज हैं। मिचेल ओवेन के ताबड़तोड़ शतक के दम पर वॉशिंगटन फ्रीडम ने 5 विकेट पर 245 रन बनाए। जवाब में एमआई न्यूयॉर्क की टीम 6 विकेट पर 215 रन बना सकी और उसे 30 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: स्पेन ने सऊदी अरब को धोया

युवा स्टार लैमिन यमल ने खोला खाता, ओयार्जबल ने ठोके दो गोल

अटलांटा, एजेंसी

फीफा विश्व कप 2026 के 38वें मुकाबले में स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सऊदी अरब को 4-0 से करारी शिकस्त दी। अटलांटा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में स्पेन ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और पहले हाफ में ही मुकाबले को लगभग अपने नाम कर लिया। युवा स्टार लैमिन यमल और अनुभवी फॉरवर्ड माइकल ओयार्जबल ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

स्पेन ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में लैमिन यमल ने माइकल ओयार्जबल के शानदार पास पर गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह यमल का विश्व कप में पहला गोल रहा। शुरुआती बढ़त के बाद स्पेन ने दबाव बनाए रखा। 21वें मिनट में ओयार्जबल ने कॉर्नर से बने मौके का फायदा उठाते हुए करीबी दूरी से गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। इसके महज तीन मिनट बाद 24वें मिनट में उन्होंने अपना दूसरा गोल दागा। दानी ओल्मो के हेडर को ओयार्जबल ने वॉली के जरिए गोल में बदलकर स्पेन को 3-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

आत्मघाती गोल से बढ़ी सऊदी अरब की मुश्किल

दूसरे हाफ की शुरुआत में ही सऊदी अरब की मुश्किलें और बढ़ गईं। 49वें मिनट में हसन अल्तामबक्ती ने आत्मघाती गोल कर दिया। मार्क कुकुरेला के शॉट को गोलकीपर ने तो रोक लिया, लेकिन गेंद अल्तामबक्ती से टकराकर अपने ही गोल में चली गई। इस गोल के साथ स्पेन ने 4-0 की बढ़त बना ली।

स्पेन का दबदबा, सऊदी अरब बेअसर

पूरे मैच में स्पेन का नियंत्रण साफ नजर आया। मिडफील्ड और आक्रमण दोनों विभागों में स्पेनिश खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल दिखाया, जबकि सऊदी अरब की टीम कोई बड़ा मौका बनाने में सफल नहीं हो सकी। अंततः स्पेन ने 4-0 की एकतरफा जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी और मजबूत कर दी।

रेड कार्ड के बावजूद बेल्जियम ने बचाया एक अंक, ईरान से खेला ड्रॉ

लॉस एंजिलिस। फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-जी में बेल्जियम और ईरान के बीच खेला गया मुकाबला गोलरहित ड्रॉ पर समाप्त हुआ। लॉस एंजिलिस स्टेडियम में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सकी। बेल्जियम को 66वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब नाथन नगोय को रेड कार्ड दिखाया गया और टीम को शेष मैच 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इसके बावजूद ईरान भी बढ़त हासिल नहीं कर सका और दोनों टीमों को एक-एक अंक से संतोष करना पड़ा। मैच में बेल्जियम ने अधिक समय तक गेंद अपने कब्जे में रखी और लगातार ईरानी गोल पर हमला बोला। लंबे समय बाद शुरुआती एकादश में लौटे रोमेलू लुकाकू से टीम को बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बेल्जियम की तमाम कोशिशें ईरान के गोलकीपर अलीरेजा बेइरानवंद के सामने बेअसर साबित हुईं।

सोफी का कीर्तिमान, टी20 में ऐसा करने वाली इंग्लैंड की पहली गेंदबाज बनीं

लीड्स। महिला टी20 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड का विजयी अभियान जारी है। टूर्नामेंट के 16वें मुकाबले में इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को 38 रनों से हराया। गेंद से टीम की इस जीत की नायक सोफी एक्लेस्टोन रहीं, जिन्होंने महज 23 रन देकर दो विकेट निकाले। एक्लेस्टोन ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में वो मुकाम हासिल कर लिया है जहां तक इंग्लैंड की कोई भी गेंदबाज अब तक नहीं पहुंच सकी है। मैच की बात करें तो इंग्लैंड से मिले 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्कॉटलैंड की टीम सात विकेट खोकर 162 रन ही बना सकी। स्कॉटलैंड की तरफ से सारा ब्राइस ने सर्वाधिक 34 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, डार्सी कार्टर ने 23 गेंदों में चार चौकों की मदद से 29 रन बनाए, जबकि पिप्पा स्प्राउल ने 27 रनों का योगदान दिया। एक्लेस्टोन के अलावा इंग्लैंड की ओर से गेंदबाजी में लिन्से स्मिथ, चार्ली डीन, गिब्सन और फ्रेया केम्प ने एक-एक विकेट झटका।

वनडे सीरीज के लिए टीम सेलेक्शन की बड़ी बातें

शतकवीर यशस्वी बाहर बुमराह-अक्षर का कमबैक

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान 21 जून (रविवार) को कर दिया गया। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने इस सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित की, जिसकी अगुवाई शुभमन गिल करेंगे। जबकि श्रेयस अय्यर टीम के उप-कप्तान हैं।

- इस टीम सेलेक्शन की सबसे बड़ी बात यह है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का वनडे क्रिकेट में कमबैक होने जा रहा है। बुमराह आखिरी बार 2023 के क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में भारतीय टीम के लिए वनडे क्रिकेट खेले थे। ऑलराउंडर अक्षर पटेल की भी वनडे टीम में वापसी हो गई है। अक्षर पटेल को अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर रखा गया था।
- वहीं स्टार बल्लेबाज और पूर्व कप्तान विराट कोहली की भी टीम में वापसी हो गई है। विराट कोहली फिटनेस टेस्ट क्लियर करने के बाद टीम में शामिल हो जाएंगे। कोहली हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे।
- सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। यशस्वी ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक जड़ा था। यशस्वी अपने आखिरी 3 ओडीआई मैचों में 2 बार शतक जड़ चुके हैं।
- हर्ष दुबे और प्रिंस यादव को इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे टीम में जगह नहीं मिली है। हर्ष और प्रिंस ने अफगानिस्तान के खिलाफ हालिया सीरीज में इंटरनेशनल डेब्यू किया था। अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित करने वाले गुरनूर बरार को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी टीम में जगह दी गई है। गुरनूर बरार ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों में 7 विकेट झटके थे।
- तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को भी टीम में जगह नहीं मिली है। सिराज को पहले आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से %वर्कलोड मैनेजमेंट% के तहत आराम दिया गया था, ताकि उन्हें लंबे अंतरराष्ट्रीय सीजन से पहले पूरी तरह फिट रखा जा सके। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पहले ही चोट के कारण टीम से बाहर चल रहे हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

मेरे गाने आज भी लोगों को याद, संगीत बना सबसे खूबसूरत पहचान : करिश्मा कपूर

मनोरंजन की दुनिया में संगीत हमेशा से फिल्मों का अहम हिस्सा माना गया है। चाहे कहानी कितनी भी मजबूत क्यों न हो, अगर उसमें अच्छे गाने और संगीत जुड़ जाए, तो वह दर्शकों के बीच लंबे समय तक बना रहता है। इसको लेकर अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने अपने अनुभव साझा किए हैं। उन्होंने बताया कि उनके करियर की सबसे खूबसूरत पहचान वही गाने हैं, जिन्हें आज भी लोग याद करते हैं।

करिश्मा कपूर इन दिनों डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में जज के तौर पर नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया, इस शो में मुझे ऐसे अलग-अलग टैलेंट देखने को मिलते हैं, जो संगीत को अपने तरीके से पेश करते हैं। यह देखकर मुझे बेहद खुशी होती है कि आज के युवा सिर्फ गानों को सुनते ही नहीं बल्कि उन्हें अपनी भावनाओं और डांस के जरिए एक नई कहानी में बदल भी देते हैं। यह बदलाव मुझे काफी प्रेरणादायक लगता है। करिश्मा कपूर ने कहा, मेरे लिए संगीत हमेशा से यादों, भावनाओं और एक खास जादू से जुड़ा रहा है। जब भी मैं इंडियाज बेस्ट डांसर 5 के सेट पर जाती हूं, तो यहां की परफॉर्मेंस देखकर मुझे अपने पुराने दिनों की याद आ जाती है। मुझे लगता है कि संगीत एक ऐसी चीज है जो हर व्यक्ति को किसी न किसी पल, भावना या समय से जोड़ देती है। एक अच्छा गाना सिर्फ सुना नहीं जाता, बल्कि महसूस किया जाता है और वह सीधे दिल तक पहुंचता है।

गानों ने दर्शकों के दिलों में बनाई जगह

उन्होंने आगे कहा, मेरी फिल्मों की यात्रा में कई ऐसे गाने रहे हैं, जो आज भी लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। इन गानों ने न सिर्फ मुझे पहचान दी, बल्कि दर्शकों के दिलों में खास जगह भी दिलाई। एक कलाकार के लिए यह सबसे बड़ी उपलब्धि होती है कि उसके काम को लोग सालों बाद भी याद रखें और उससे जुड़ाव महसूस करें। संगीत की ताकत यही है कि वह किसी भी इंसान को तुरंत पुराने समय में ले जा सकता है और बीती हुई यादों को फिर से जीवंत कर देता है। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा, इंडियाज बेस्ट डांसर 5 में आने वाले प्रतिभागी जिस तरह से पुराने और नए गानों को मिलाकर परफॉर्म करते हैं, वह बेहद खास है।

मैं नास्तिक हूं, दबंग अंदाज में बोले जावेद अख्तर, हेटर को दिया जवाब- मेरी कौम हिंदुस्तानी है

जावेद अख्तर भारतीय सिनेमा के दिग्गज लेखक, कवि और गीतकार हैं। वो अक्सर सामाजिक, राजनीतिक और धार्मिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखते हैं। ट्रोल्स को भी जवाब देने से वो कभी पीछे नहीं हटते। अब उन्होंने एक बार फिर अपने जवाब से हेटर्स की बोलती बंद कर दी है।

जावेद अख्तर बीते कई सालों से खुलकर यह बात कहते आए हैं कि वो एक नास्तिक हैं। लेकिन फिर भी कई दफा धर्म को लेकर उनपर निशाना साधा जाता है। अब एक बार एक यूजर ने धर्म को लेकर उनपर तंज कसा, जिसका उन्होंने करारा जवाब दिया।

खुद को नास्तिक मानते हैं ये सेलेब्स, किसी धर्म में नहीं आस्था

हाल ही में जावेद अख्तर ने अपने ट्वीट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ एक राजनीतिक टिप्पणी की थी। लेकिन उनकी इस बात के बीच एक यूजर ने जबरन इस्लाम धर्म को लाकर उनपर निशाना साधने की कोशिश की।

एक एक्स यूजर ने डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए जावेद अख्तर के ट्वीट पर कमेंट करके उन्हें धर्म की आड़ में टारगेट किया। यूजर ने जावेद अख्तर की पोस्ट पर लिखा- सर, एक शेर आपकी कौम (कम्युनिटी) के झूठ के लिए भी है।।। हमको मालूम है जन्नत की हक़ीक़त, लेकिन दिल को खुश रखने का ये ख्याल अच्छा है। यूजर के इस तंज का जावेद अख्तर ने बहुत ही शानदार जवाब दिया। जावेद अख्तर ने यूजर को यह भी याद दिलाया कि वो नास्तिक हैं। वो खुद को किसी भी धर्म से नहीं जोड़ते हैं। जावेद अख्तर ने जवाब में लिखा- अगर तुम्हारा छोटा और कम विकसित दिमाग इस जाने-माने सच को समझ पाता कि मैं एक नास्तिक हूं (शायद तुम इस शब्द से वाकिफ नहीं हो। इसका मतलब होता है वो इंसान जो किसी भी धर्म को नहीं मानता)।

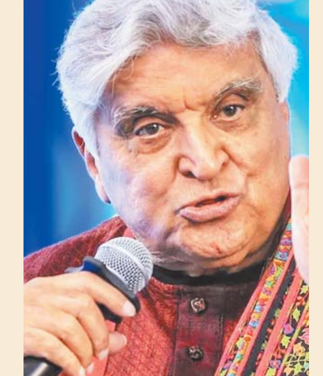

मेट्रो बाजार

डॉलर के मुकाबले रुपये में रिकवरी से भारतीय बाजारों में हो सकती है एफपीआई की वापसी

नई दिल्ली वैश्विक स्तर पर स्थिरता बढ़ने से डॉलर के मुकाबले रुपये में रिकवरी देखने को मिल सकती है और इससे विदेशी निवेशकों की वापसी फिर से भारतीय बाजारों में हो सकती है, जो कि पिछले कुछ समय से शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। यह जानकारी विश्लेषकों की ओर से रविवार को दी गई। निफ्टी 500 के लिए वित्त वर्ष 26 में उम्मीद से बेहतर 15.6 प्रतिशत की आय वृद्धि बाजार को बुनियादी सपोर्ट और मजबूती दे रही है। विश्लेषकों ने आगे कहा कि इस साल अब तक खराब मानसून एक चिंता का विषय बना हुआ है। 15 जून के बाद से फॉरेन पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों में साफ बदलाव आया है। 19 जून को खत्म हुए हफ्ते के दौरान, एफरीआई ने तीन सत्रों में इक्विटी में खरीदारी की, जबकि सिर्फ दो दिन इक्विटी में बिकवाली की। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी.के. विजयकुमार ने बताया, ÷19 जून को खत्म हुए हफ्ते में, एफपीआई ने कैश मार्केट में 3,386 करोड़ रुपये की इक्विटी की नेट खरीदारी की है। इससे यह नतीजा निकाला जा सकता है कि भारत में एफपीआई की लगातार बिकवाली का दौर खत्म हो गया है। एफपीआई की गतिविधियों में इस बदलाव की मुख्य वजह रुपये में स्थिरता और उसमें धीरे-धीरे हो रही बढ़त है। भारतीय रुपये ने डॉलर के मुकाबले 96.96 के निचले स्तर (जो 20 मई को देखा गया था) से 94.34 (19 जून को क्लोजिंग रेट) तक अच्छी रिकवरी की है।

वैश्विक अस्थिरता में कमी से आरबीआई रेपो रेट 5.25 प्रतिशत पर रह सकती है स्थिर

नई दिल्ली। वैश्विक अस्थिर में कमी आने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रेपो रेट को लेकर अपनी वेट-एंड-वॉच नीति को जारी रख सकता है और आने वाली मौद्रिक नीति में ब्याज दर को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा जा सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका-ईरान शांति समझौते से ग्लोबल अनिश्चितता में बड़ी कमी आई है। इससे केंद्रीय बैंकों को एनर्जी की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर प्रतिक्रिया देने के बजाय डेटा पर आधारित फैसले लेने की ज्यादा जगह मिली है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई पॉलिसी की दिशा में कोई भी बदलाव करने से पहले मानसून की प्रगति, खाने-पीने की चीजों की महंगाई के ट्रेंड और कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखना जारी रखेगा।

आरबीआई ने जून में हुई एमपीसी की बैठक में वैश्विक आर्थिक माहौल और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों को लेकर चिंताओं के बीच रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखा और अपनी न्यूट्रल पॉलिसी का रुख भी बरकरार रखा। इसके अलावा, केंद्रीय बैंक ने अपने मैक्रो-इकोनॉमिक अनुमानों में बदलाव किया। मौसम से जुड़े जोखिमों और खाने-पीने की चीजो की कीमतों को लेकर अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए, बैंक ने वित्त वर्ष 27 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 30 आधार अंक घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया, जबकि महंगाई का अनुमान 50 आधार अंक बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया। एमपीसी की बैठक के मिनट्स से पता चला कि सभी सदस्य महंगाई के बढ़ते जोखिमों और अस्थिर आर्थिक माहौल को लेकर एकमत थे।

हिमाचल की पब्बर घाटी है पर्यटन का मुख्य केंद्र

शिमला। हिमाचल प्रदेश कई मशहूर वादियों से घिरा राज्य है। लेकिन यहां कि पब्बर घाटी सबसे लोकप्रिय और प्रसिद्ध है। पब्बर वैली के मनोहारी दृश्य आपको वहीं बस जाने के लिए मजबूर कर देंगे। पब्बर वैली भारत की सबसे खूबसूरत डेस्टिनेशन्स में से एक है। यहां चारों तरफ पहाड़, घने जंगल की हरियाली, बर्फ से ढकी हुई चोटियां, सूरज की लालियां से चमकते पहाड़ शानदार लगते हैं। इसके साथ ही अगर आप रोमांच के शौकीन हैं तो यह जगह आपके लिए बेस्ट है। पहाड़ों की ऊंचाई से गिरते झरने और बहती नदियों की आवाज अच्छा अहसास कराते हैं। यहां घूमने के लिए काफी सुंदर जगहें हैं।

न्यूज विंडो

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पोलैंड का सर्वोच्च सम्मान लौटाया

वारसा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शनिवार को पोलैंड का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल लौटा दिया। जेलेंस्की ने यह कदम पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नावरोकी द्वारा यह सम्मान उनसे वापस लेने की

घोषणा के बाद उठाया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से सम्मान वापस लेने का एलान द्वितीय विश्वयुद्ध की घटना को लेकर पैदा विवाद के चलते किया गया। इस विवाद में जेलेंस्की का यूक्रेनी सेना की एक यूनिट का नाम उस अर्धसैनिक बल के नाम पर रखने का निर्णय है जिसने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान पोलैंड में लोगों का नरसंहार किया था।

राजस्थान: सिजेरियन डिलीवरी के बाद 8 प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर। राजस्थान में सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। कोटा और बीकानेर के बाद अब जोधपुर के पावटा जिला अस्पताल में भी ऐसा मामला सामने आया है। पावटा जिला अस्पताल में आठ महिलाओं की सिजेरियन डिलीवरी की गई थी। ऑपरेशन के कुछ समय बाद कई महिलाओं में स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं सामने आने लगीं। कुछ मरीजों को कमजोरी, रक्तचाप में गिरावट और अन्य चिकित्सकीय समस्याओं की शिकायत हुई, जिसके बाद डॉक्टरों ने तत्काल उपचार शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने एहतियातन ऑपरेशन थिएटर को बंद कर दिया है। साथ ही संभावित संक्रमण या अन्य तकनीकी कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

सिंधु जल संधि को लेकर पाक मंत्री ख्वाजा आसिफ ने दी भारत को धमकी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि स्थगित रहने को लेकर भारत को धमकी दी है। पाकिस्तानी चैनल से बातचीत में आसिफ ने कहा कि अगर पाक को लगा कि उसकी जल सुरक्षा खतरे में है, तो वह भारत के खिलाफ जंग छेड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान के हिस्से के पानी के प्रवाह में दखल दे रहा है और रणनीतिक हथियार के तौर पर इसका इस्तेमाल कर रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पिछले एक साल में इस मामले में क्या नए घटनाक्रम हुए हैं, इसकी उन्हें पूरी जानकारी नहीं है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। भारत का कहना है कि जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं करता, तब तक संधि बहाल नहीं की जाएगी।

दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला : कहा- कोर्ट ऐसी स्थिति से आंखें नहीं मूंद सकती

सड़क पर गड्ढे में गिरने से हुई थी युवक की मौत, परिजनों को मिलेंगे 30 लाख

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली जल बोर्ड की ओर से खोदे गए गड्ढे में गिरने से 37 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने उसके परिवार को 30 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत ने साथ ही अधिकारियों से ऐसे मामलों में पीड़ितों को तत्काल वित्तीय सहायता सुनिश्चित करने के लिए नीति तैयार करने पर विचार करने को कहा है। जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने कहा कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की मृत्यु से परिवार अत्यंत असुरक्षित स्थिति में पहुंच जाता है और उसके लिए रोजमर्रा का जीवनयापन भी अनिश्चित हो जाता है। जज ने कहा कि ऐसे परिवारों को सार्वजनिक प्राधिकारियों की लापरवाही से हुई घटनाओं में बुनियादी आर्थिक राहत पाने के लिए लंबी और खर्चीली कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। जस्टिस कौरव ने कहा कि वर्तमान मामले में मृतक की पत्नी, मां और तीन बच्चे वर्ष 2019 की घटना के बाद से कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नीति बनाना कार्यपालिका का दायित्व है, लेकिन अदालत इस स्थिति से आंखें नहीं मूंद सकती।

2019 का है पूरा मामला: अदालत ने कहा कि इसलिए संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में उपयुक्त नीति बनाने की व्यवहार्यता पर विचार करने का आग्रह किया जाता है, ताकि पात्र मामलों में समयबद्ध, मानवीय और प्रभावी ढंग से मुआवजे का वितरण सुनिश्चित किया जा सके। मोटर साइकिल सवार व्यक्ति 17 और 18 अप्रैल, 2019 की दरमियानी रात दिल्ली जल बोर्ड के कार्यालय के सामने ढिचाऊं कलां क्षेत्र में पाइपलाइन मरम्मत कार्य के लिए खोदे गए गड्ढे में गिर गया था।

ऐसे हादसे अप्रत्याशित नहीं होते : जज

अदालत ने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2023 में सड़क निर्माण या मरम्मत कार्यों के दौरान हुए सड़क हादसों में 8,246 लोग घायल हुए और 3,904 लोगों की मौत हुई। न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे हादसे अप्रत्याशित नहीं होते, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही और सार्वजनिक अवसंरचना कार्यों में अनिवार्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में विफलता का परिणाम होते हैं।

'ऐसे मामलों में शीघ्र मुआवजा प्रदान करें'

अदालत ने मृतक के परिजनों की याचिका पर 29 मई को दिए अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में शीघ्र मुआवजा प्रदान करने के लिए एक सुव्यवस्थित और प्रभावी नीतिगत ढांचा पीड़ितों और उनके परिवारों को बिना मुकदमेबाजी के तत्काल सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इससे प्रभावित परिवारों की कठिनाइयां कम होंगी और सार्वजनिक अवसंरचना और सुरक्षा मानकों के लिए जिम्मेदार प्राधिकरणों की जवाबदेही भी बढ़ेगी।

दिल्ली जल बोर्ड ने दी ये दलील

दिल्ली जल बोर्ड ने अदालत में दलील दी कि खुदाई का कार्य एक निजी ठेकेदार द्वारा कराया गया था और गड्ढे के चारों ओर बैरिकेड लगाए गए थे। बोर्ड ने यह भी कहा कि संभव है कि सामने से आ रहे ट्रक की हेडलाइट की वजह से मृतक मोटरसाइकिल नहीं रोक पाया हो और दुर्घटना में उसकी भी कुछ भूमिका रही हो। अदालत ने व्यक्ति की कथित लापरवाही संबंधी इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि सार्वजनिक सड़क पर किए गए खतरनाक खुदाई कार्य की पर्याप्त निगरानी, समुचित प्रकाश व्यवस्था और त्वरित आपातकालीन प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना बोर्ड की जिम्मेदारी थी।

251 की स्पीड में दौड़ाई बीएमडब्ल्यू दो दोस्तों की मौके पर मौत

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के बदलापुर से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। मुंबई-बड़ौदा महामार्ग पर तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना भयावह था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के वक्त कार की रफ्तार 250 किमी प्रति घंटे से ज्यादा बताई जा रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, रविवार 21 जून की तड़के यह दुर्घटना उस समय हुई जब बीएमडब्ल्यू कार टिटवाला से बदलापुर की ओर आ रही थी। बताया जा रहा है कि कार की रफ्तार करीब 251 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई थी। एरंजाड क्षेत्र के पास चालक का वाहन से नियंत्रण खो गया और कार डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद कार कई बार पलटी खाती हुई सड़क पर घिसटती चली गई। इस हादसे में योगेश दिघे और रिकेबा जेकब की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामला

पटना, एजेंसी। बिहार के भोजपुर जिले में भारत भूषण तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की गई है। इस संबंध में शीर्ष अदालत के समक्ष एक प्रतिनिधित्व (रिप्रेजेंटेशन) दायर कर एफआईआर दर्ज करने, स्वतंत्र जांच कराने और पुलिस मुठभेड़ों से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने की अपील की गई है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत को संबोधित यह प्रतिनिधित्व अधिवक्ता नरेंद्र मिश्रा ने दायर किया है। इसमें 17 जून को

भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुई मुठभेड़ की न्यायालय की निगरानी में जांच कराने की मांग की गई है। अपील में जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) या विशेष जांच दल (एसआईटी) से कराने का सुझाव दिया गया है।

भारत के साथ सीमा विवाद पर नेपाल पीएम बोले- नहीं की थी ब्रिटिश मध्यस्थता की मांग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने स्पष्ट किया कि उनकी सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए ब्रिटेन से मध्यस्थता की मांग नहीं की थी। उनके इस संबंध में एक बयान पर पिछले महीने विवाद खड़ा हो गया था।

बालेंद्र शाह ने चितवन जिले में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) की पहली आमसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने कहा था कि अगर ब्रिटिश शासन (भारत में) के समय के सुबूतों की जरूरत पड़ी, तो हम उन्हें पेश करेंगे। हमने उनकी मध्यस्थता की मांग नहीं की थी। हमारे पास इस बात के सुबूत हैं कि कालापानी और लिपुलेख हमारे क्षेत्र का हिस्सा हैं। अगर उनके (भारत के) पास सुबूत हैं, तो वे भी दिखा सकते हैं।' उन्होंने अपने विरोधियों से कहा, 'हम अपने पड़ोसी के साथ बातचीत करके इस मुद्दे को सुलझा लेंगे; इसके बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

क्या है मामला : प्रधानमंत्री ने लोगों से यह भी कहा कि वे राष्ट्रीयता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर संदेह न करें। बालेंद्र शाह ने पिछले महीने संसद में कहा था कि नेपाल ने अलग-अलग जगहों पर भारतीय क्षेत्रों पर कब्जा किया है और उसने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए चीन व ब्रिटेन को शामिल किया है, जिससे बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। भारत ने इस विवाद को सुलझाने में किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को साफ तौर पर खारिज कर दिया था।

एसटीएफ मुठभेड़ में बिहार का कुख्यात और 1.25 लाख का इनामी बदमाश लल्लन ढेर

सहारनपुर, एजेंसी। बिहार का कुख्यात और 1.25 लाख रुपए का इनामी बदमाश लल्लन सिंह एसटीएफ के साथ हुए मुठभेड़ में मारा गया। आज सुबह सरसावा-नकुड़ मार्ग पर हुई इस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल लल्लन सिंह को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस उसके एक फरार साथी की तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार, लल्लन सिंह बिहार के समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीननगर थाना क्षेत्र के आनंदगोलवा गांव का रहने वाला था। वह लंबे समय से उत्तर प्रदेश और बिहार पुलिस के लिए सिरदर्द बना हुआ था। उसकी गिरफ्तारी पर वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट की ओर से एक लाख रुपए और चंदौली पुलिस की ओर से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। इस तरह उस पर कुल 1.25 लाख रुपए का इनाम था। बताया गया है कि रविवार की रात अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लाल प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम सरसावा-नकुड़ रोड पर चेकिंग अभियान चला रही थी।

सात हत्याओं समेत कई संगीन मुकदमे थे दर्ज

घायल बदमाश को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरसावा ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, लल्लन सिंह बेहद खतरनाक अपराधी था और उसके खिलाफ हत्या, बैंक डकैती, कैश वैन लूट, हथियार लूट तथा पुलिसकर्मियों पर हमले समेत कई गंभीर मुकदमे दर्ज थे। उस पर सात लोगों की हत्या का भी आरोप था।

मेट्रो एंकर

मौसम विभाग ने पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया

फिर एक्टिव हुआ मानसून, मुंबई में झमाझम बारिश

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई में लंबे समय से भीषण गर्मी और उमस का सामना कर रहे लोगों को आखिरकार राहत मिल गई है, क्योंकि आज सुबह शहर के कई इलाकों में अच्छी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में मानसून दक्षिण कोंकण तक पहुंच गया था, लेकिन वह पिछले कुछ दिनों से सोलापुर के पास रुका हुआ था।

अब पश्चिमी घाट में बनने वाले बादलों की वजह से मुंबई और इसके आसपास के इलाकों में बारिश की गतिविधियां तेज हुई हैं, और उम्मीद जताई जा रही है कि अगले एक-दो दिनों में दक्षिण-पश्चिम मानसून महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों और आगे के राज्यों में बढ़ने के लिए पूरी तरह अनुकूल हो जाएगा। देशभर में मानसून की रफ्तार की बात करें तो यह पिछले 15 दिनों में करीब 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन फिलहाल यह उत्तर प्रदेश और बिहार के बॉर्डर पर स्थित महराजगंज के पास पिछले नौ दिनों से थमा हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि

अनुकूल सिस्टम एक्टिव होने के कारण 23 जून के आसपास यह रुकावट दूर होगी और मानसून ओडिशा, झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ जाएगा। हालांकि, देश की राजधानी दिल्ली को मानसून के दीदार के लिए जुलाई के पहले हफ्ते तक का इंतजार करना पड़ सकता है, जो आमतौर पर 27 जून के आसपास यहां दस्तक दे देता है।

पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

एक तरफ जहां देश के कई हिस्सों में मानसून और प्री-मानसून की वजह से मौसम का मिजाज बदला है, वहीं पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की गई है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे राज्यों के लिए मौसम विभाग ने भारी बारिश का रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसके चलते वहां के कई जिलों में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश हो रही है। इसके साथ ही दक्षिण भारत के राज्यों जैसे केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना में भी अगले दो दिनों के भीतर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके विपरीत, देश के करीब आठ राज्यों में अभी भी भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है, जहां प्री-मानसून एक्टिविटी होने के बावजूद तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार बना हुआ है। उत्तर प्रदेश का बांदा शहर 44.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ देश का सबसे गर्म स्थान रहा, जबकि प्रयागराज, खजुराहो और ब्रह्मपुरी जैसे शहरों में भी पारा 42 से 43 डिग्री के आसपास रिकॉर्ड किया गया।

तमिलनाडु: फैक्ट्री में अमोनिया गैस के रिसाव से 2 की मौत

तिरुवल्लूर, एजेंसी

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले से इस वक्त की बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां पेरियापालयम के पास मंजांगरानाई में एक प्राइवेट सीफूड प्रोसेसिंग यूनिट में अमोनिया गैस का रिसाव हो गया। अमोनिया गैस का रिसाव होने की वजह से फैक्ट्री में काम कर रहे कर्मचारियों की हालत बिगड़ने लगी। आनन-फानन में प्रभावित कर्मचारियों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पुलिस के अनुसार, प्राइवेट सीफूड प्रोसेसिंग यूनिट में अमोनिया गैस के बड़े रिसाव से प्रभावित 2 लोगों की मौत हो गई।

तमिलनाडु सरकार ने बताया कि तिरुवल्लूर जिले में मछली का चारा (फिश मील) एक्सपोर्ट करने वाली एक प्राइवेट फैक्ट्री के प्रोडक्शन यूनिट में अमोनिया गैस लीक होने से दो महिलाओं की मौत हो गई और 62 अन्य लोग प्रभावित हुए। यह घटना पेरियापालयम के पास कनिगईपैर गांव में हुई। सरकार की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने इंडस्ट्रियल सेफ्टी एंड हेल्थ के डायरेक्टर, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी और पब्लिक हेल्थ के एडिशनल डायरेक्टर को मिलाकर तीन सदस्यों की एक कमेटी बनाने का निर्देश दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564